तरुण भारत संघ
प्रगति प्रतिवेदन
2005-2006

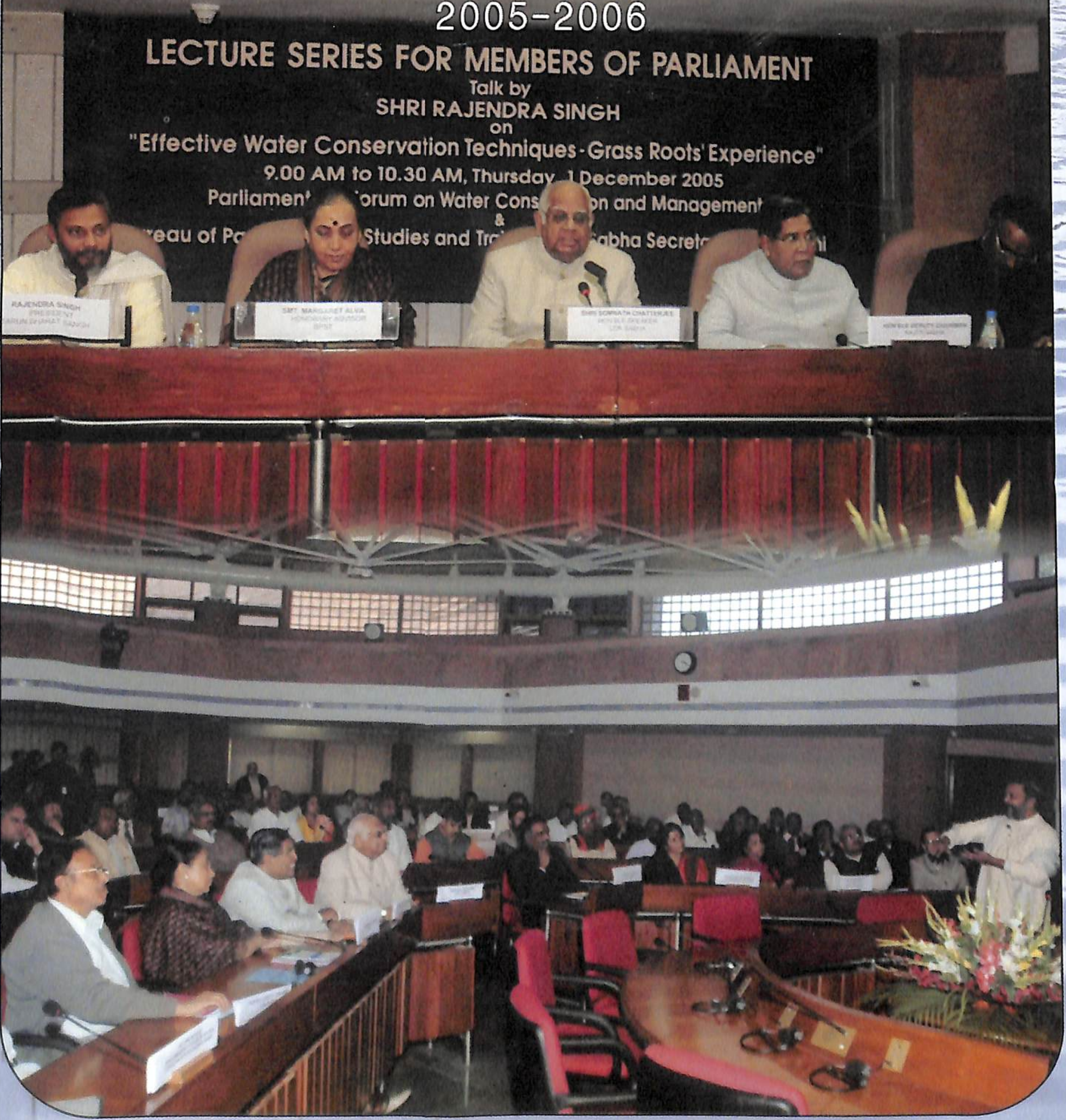

तालाब बचाओ यात्रा

अभियान
तालाब बचाओ यात्रा
2-1-06 से 16-1-06

प्रगति प्रतिवेदन

2005-2006

वर्ष 2005-06 तरुण भारत संघ के लिए विशेष उपलब्धि का वर्ष रहा है। 20 वर्षों के समयान्तराल में किए गए कार्यों को सरकारी व राजनीतिक स्तर पर पूरे राष्ट्रीय परिदृश्य में देखा जा रहा है। जिस आवाज को तभासं 20 वर्षों से गांव की गलियों, चौपालों, कस्बे-शहरों की सड़कों पर चिल्ला-चिल्ला कर समाज के बीच कहता आया है, वही आवाज इस वर्ष संसद् में भी गूंजी। हमारे देश में पानी की नई समस्या खड़ी की जा रही है। विदेशी हमारे पानी के नीतिकार-सलाहकार बन गए हैं। हमें कुछ काम हो, तुरन्त विदेश यात्रा पर समझने चले जाते हैं। वहां से क्या सीखकर आते हैं ? आम आदमी तो क्या; भगवान् भी नहीं जानता है।

इस वर्ष तभासं ने जल से संबंधित समाजोपयोगी विभिन्न मुद्दों पर एक साथ कार्य किया। 'जल-साक्षरता' के तहत तभासं ने जल पर समाज के मालिकाना-हक से लेकर जलनीति, जल के बाजारीकरण तथा नदी-जोड़ योजना की सच्चाई सामने लाने का अभियान चलाया है। यह कार्य तभासं के ग्राम स्तरीय कार्यकर्ताओं से लेकर सभी कार्यकारिणी सदस्यों तक के समवेत प्रयासों से संभव हुआ। इसके पीछे उन सहयोगी बुद्धिजनों को नहीं भुलाया जा सकता, जिन्होंने हर समय तभासं का सहयोग किया। समयानुकूल सही विचार दिए। किसी कार्य की सफलता समाजोपयोगी सलाह से होती है। तभासं को सौभाग्य से सदैव नेक सलाह मिलती रही है। आशा है, अच्छे कार्य के लिए बुद्धिजन आगे भी पूरा सहयोग देते रहेंगे।

तभासं ने इस वर्ष समाज के विकास कार्यों में विभिन्न प्रकार से सहयोग कर समाज की उन्नति के लिए प्रयास किए हैं। इन सब कार्यों में सीडा, फोर्ड फाउण्डेशन और सोनिया फाउण्डेशन का सहयोग उल्लेखनीय है।

- **जल-संरक्षण के लिए पैरवी**
- **जल-साक्षरता कार्यक्रम**
- **ग्रामीण विकास के कार्यक्रम**
- **शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम**
- **ग्राम-सभा संगठन सक्रिय करना**
- **दस्तावेजीकरण**
- **मुख्य घटनाक्रम**
- **जल-संरक्षण रचनात्मक कार्यों की सूची**
- **वर्ष 2005-2006 का ऑडिट (लेखा-जोखा)**

मैक्सिको के बैनमक्स सेन्टर में विश्व जल सम्मेलन

(16 से 22 मार्च, 2006)

लक्ष्य : स्थानीय काम से विश्व चुनौतियों को हल करना

छोटा काम सरल, समृद्ध और सुन्दर होता है। इस सिद्धान्त को स्वीकार करने के बाद ही तीसरे विश्व जल सम्मेलन, क्वयटो, जापान में मेक्सिको के इस सम्मेलन का नाम और लक्ष्य तय किया गया था। अक्टूबर, 2003 में इसे अन्तिम रूप दिया गया। इस सम्मेलन के आयोजन समिति की अध्यक्षता फ्रांस की एक जल कम्पनी के अध्यक्ष ने किया था। इसमें 150 से अधिक देशों की सरकारों तथा कोक-पेप्सी जैसी कम्पनियों की भागीदारी ही अधिक हैं। इस सम्मेलन में भी दुनिया की उन बड़ी कम्पनियों का व्यापार चल रहा है, जो सरकारों के माध्यम से पानी का व्यापार करके समाज का पैसा और पानी की लूट करने में दक्ष हैं, इस सम्मेलन में यही सब अधिक दिखाई दिया।

इस सम्मेलन की शुरुआत बहुत अच्छे स्वप्न दिखाकर हुई। पहला विश्व जल सम्मेलन 1997 में हुआ था। विश्व जल आयोग का गठन इससे पहले 1996 में हुआ। 1992 के शिखर सम्मेलन में दुनिया के बहुत से राष्ट्राध्यक्षों ने 'जल जीवन है'। 'जल व्यापार की वस्तु नहीं है' - कहा था। **जल जीवन है**। इसका कोई व्यक्ति या कम्पनी मालिक नहीं बन सकता। हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री ने ऐसा कहकर डब्ल्यू.टी.ओ. पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। जल को डब्ल्यू.टी.ओ. से बाहर करने की आवाज 2003 से तीसरे फोरम पर बराबर उठती रही। इसी मांग को लेकर विश्व के बहुत से साथियों के साथ हमने चौथे फोरम के समय भी मार्च करके प्रतीकात्मक जल सत्याग्रह किया था। हमारे जल सत्याग्रह पर चौथे विश्व जल सम्मेलन का कितना ध्यान गया, यह कहना कठिन है। लेकिन विश्व जल सम्मेलन के अन्दर कई अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने पानी को प्रकृति प्रदत्त मानकर व्यापार की वस्तु बनाने का विरोध जरूर किया है। पानी के निजीकरण का रोग विश्वभर में फैल रहा है। इसकी बातें जगह-जगह उठी हैं, कहीं गंभीरता दिखी, तो कहीं हवा में भी बात उड़ गई। क्योंकि यह सम्मेलन जल का नहीं बल्कि विश्व जल उद्योग के सम्मेलन जैसा बन गया है। यहां जल दर्शन, जल संस्कृति, जल जीवन की बात करने और समझने वाले लोग नहीं दिखाई दिए। यहां तो केवल सरकारों के मंत्री (जो जल से राजनीति करना चाहते हैं), बड़ी कम्पनियों के मालिक (जो विश्व में जल का अर्थराज स्थापित करके संस्कारों तथा समाज को गुलाम बनाना चाहते हैं)। बस ! उन्हीं का बोलबाला दिखाई दिया।

चौथे विश्व जल सम्मेलन तक में सतत् जाता रहा हूं, पहले के सम्मेलनों में जल संरक्षण दिखावा था, इस बार केवल व्यापारियों का सम्मान ही दिखाई दिया। इस बार नाम के विपरीत काम दिखा है। इस सम्मेलन में स्थानीय कार्यों पर जहां-तहां नाममात्र की बहस चली जरूर, लेकिन वह सम्मेलन के अन्तिम निर्णय को प्रभावित नहीं कर सकी।

मैक्सिको जल घोषणा में स्थानीय काम से विश्व चुनौतियों को हल करने का रास्ता नहीं बनाया गया; बल्कि स्थानीय कार्यों को विकल्प की तरह रखा है। विकल्प तो दुनिया को बेहतर बनाने हेतु मजबूरी का कार्यक्रम माना जाता है। मजबूरी का नाम महात्मा गांधी कहने वाले लोग ही इस सम्मेलन के संचालक बने हैं। महात्मा गांधी ने रास्ता बताया, यूरोप के सुमाखर ने कर दिखाया। सम्मेलन ने भी उसी रास्ते को आधार बनाया है; लेकिन इस रास्ते को अपनाने की मंशा इस सम्मेलन की घोषणा में नहीं सुनाई दी।

अपने गांव से चलने से पहले मुझे इस सम्मेलन से बहुत सी आशाएं थीं। इस सम्मेलन ने मेरी आशाओं के एकदम विपरीत रास्ते पर कदम रखा है। विश्व जन जल सम्मेलन में हमारी आशाओं को बुलन्द किया। छोटे कामों को सरल, सुन्दर, समृद्धि का रास्ता बनाते देख रहे हैं तथा बड़े कामों को विनाशकारक बनता हुआ पा रहे हैं, इस विश्व जन जल सम्मेलन की मान्यताओं को बदलने में सफल होंगे। यह उम्मीद है।

चौथे विश्व जल सम्मेलन की आयोजक विश्व जल समिति विश्व जन जल सम्मेलन के निर्णयों को समझकर अपने अगले जल घोषणा पत्रों में शामिल करेगी ही, क्योंकि दुनिया में बढ़ता जल संकट इन्हें स्वयं समझा देगा। हम भारत में विश्व जन जल सम्मेलन के निर्णयों को कार्यरूप दिलाने हेतु संकल्पबद्ध हैं। उसी के निर्णयों को क्रियान्वित करने में जुटे रहेंगे।

पांचवें विश्व जल सम्मेलन तक विश्व जल उपलब्धता का दृश्य और बदल जायेगा। तब क्या कम्पनियां स्वयं H_2O बनाकर पिलायेंगी नहीं... ? सबको पानी पिलाने का काम प्रकृति के साथ मित्रता से संरक्षण, संवर्द्धन, समझ कर उपयोगी करने से ही संभव है। मशीनों से पानी बनाकर पिलाना संभव नहीं है। फिर भी विश्व जल उद्यमी इस सम्मेलन में जल मशीनों से जल संकट दूर करने का ही झूठा संदेश देते रहे हैं। हमें उम्मीद है, भारत का जल ज्ञान तन्त्र जलशुद्धि के लिए व भू-जल पुन:भरण प्रकृति से लेन-देन को संतुलित बनाकर दुनिया को अपने जल दर्शन से जल प्रबन्धन सिखा सकेंगे। अभी तक तो हमारे देश का जल प्रबन्धन कमजोर रहा है। आने वाले समय में समृद्ध बनेगा, सरकार भी संवेदनशील बनकर पानी को अपनी प्राथमिकता में ऊपर लायेगी। विश्व जन जल सम्मेलन की घोषणाओं पर ध्यान देगी, इस रास्ते हम पांचवें जल सम्मेलन में अपना कद ऊंचा कर सकते हैं। अपने देश को पानीदार बना सकते हैं। भारत को पानीदार बनाने का रास्ता इस सम्मेलन के नाम के अनुसार काम करने से ही मिल सकता है। अगला विश्व जल सम्मेलन भारत में आयोजित करने का सुझाव भी स्वैच्छिक संस्थाओं ने सरकारी प्रतिनिधिमण्डल को दिया है। पता नहीं, हमारी सरकार इस दिशा में अपने कदम क्यों नहीं बढ़ा रही है ?

जल-संरक्षण के लिए पैरवी

राजेन्द्र सिंह (अध्यक्ष) तरुण भारत संघ द्वारा अप्रैल, 2005 से मार्च, 2006 तक की समयावधि में जल-संरक्षण, जल-नीति, नदी-जोड़ परियोजना और जल का निजीकरण जैसे विषयों को लेकर देश में जल-साक्षरता अभियान को प्राथमिकता देते हुए अभियान चलाया, जिससे देश के अन्य भागों में जल-संरक्षण के कार्यों को बढ़ावा मिला है। देश के विभिन्न इलाकों में जाकर राजनीतिक, सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यमों से जल-संवाद चला है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

- (18.04.05) न्यूयार्क के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के जल जीवन दशक (2005 से 2015) समारोह में भागीदारी।
- (4-7 अगस्त) भारत सरकार के आमंत्रण पर ब्राजील की यात्रा की। भारत के परम्परागत प्राकृतिक संसाधनों के द्वारा संरक्षण-विषय पर तीन देशों के सम्मेलन में तभासं के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। प्रतिनिधियों ने तरुण भारत संघ के कार्यों का उल्लेख किया।

- (20 से 27 अगस्त) विश्व जल सम्मेलन, स्टॉकहोम में भाग लिया। तरुण भारत संघ के कार्यों के अनुभवों को विश्व स्तर पर प्रस्तुत किया गया। इस सम्मेलन में सी.एस.सी. की निदेशक सुश्री सुनीता नारायण को वाटर प्राइज से सम्मानित किया गया।
- (5-7 अक्टूबर) यू.एन.ई.पी. द्वारा आयोजित नैरोबी सम्मेलन में भाग लिया।
- विश्व व्यापार संगठन के खिलाफ आन्दोलन में जयपुर में सांकेतिक प्रदर्शन हुए। "भारत बाहर आए ! बाहर आए !" "हांगकांग समझौता वार्ता बन्द हो", जैसे नारे गूंजे। राज्य स्तरीय स्वयं सेवी संगठनों के साथ 11 दिसम्बर, 05 को जयपुर में पानी के मुद्दे को लेकर पदयात्रा, जनसभा कर डब्ल्यू. टी.ओ. के प्रति विरोध प्रकट किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय जल-सम्मेलन, मैक्सिको में (13 मार्च से 23 मार्च) में भागीदारी। वहां जल के निजीकरण के विरुद्ध ओपन थियेटर (टी.वी. सेन्टर) बैठक की। भारतीय प्रतिनिधिमण्डल की बैठक हुई और कई सत्रों में भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए कार्यों को प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर : (मुद्दों को लेकर पूरे देश में एक जल-आन्दोलन का संचालन)

जल पैरवी कोशिशों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा तभासं द्वारा राष्ट्रीय जल-नीति को जनोन्मुखी व जल जरूरत पूरा करने वाली बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर सुझाव दिए गए। जिनमें मुख्य बिन्दु निम्न हैं :

- जल-नीति जनोन्मुखी होनी चाहिए।
- जल पर मालिकाना हक जनता का होना चाहिए।
- जल के निजीकरण से भारतीय समाज में होने वाली समस्याओं से जनता को आगाह करना।
- जल-संरक्षण में जन भागीदारी को बढ़ाने पर जोर देना।
- नदी जोड़ योजना को शुरू करने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करना।
- तरुण भारत संघ ने वर्ष 2006 को जल साक्षरता वर्ष घोषित किया है। इसके लिए सभी राज्य सरकारों से भी अनुरोध किया है। राजेन्द्र सिंह जी ने इस बाबत राज्य सरकारों के मंत्रियों, जन प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, स्वैच्छिक संस्थाओं, प्रतिनिधियों के साथ लम्बी चर्चा की है। सफलता भी मिली है। केन्द्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय ने तरुण भारत संघ के साथ मिलकर पूरे वर्ष देश के युवा वर्ग के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, बिहार, मध्यप्रदेश राज्यों के राज्य स्तरीय सम्मेलनों में जल साक्षरता के कार्यक्रम भी हुए। राज्य स्तरीय सरकारें भी तरुण भारत संघ के द्वारा किए गए जल संरक्षण कार्यों को देख समझ कर अपने राज्यों में भी ऐसे ही कार्य करने के लिए प्रेरित हो रही हैं। जिससे हर गांव को पानी मिले, कोई प्यासा न रहे। इसके लिए केन्द्र स्तर पर भी जन सहभागिता से इस वर्ष प्रधानमंत्री जी ने गणतंत्र के 57वें वर्ष में स्थाई परिसम्पत्तियों के सृजन में जल संरक्षण, जल संग्रहण, सूखा निवारण, सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने को प्राथमिकता दी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी घोषणाओं में भी जल संरक्षण कार्यों के लिए प्राथमिकता दी गई है।

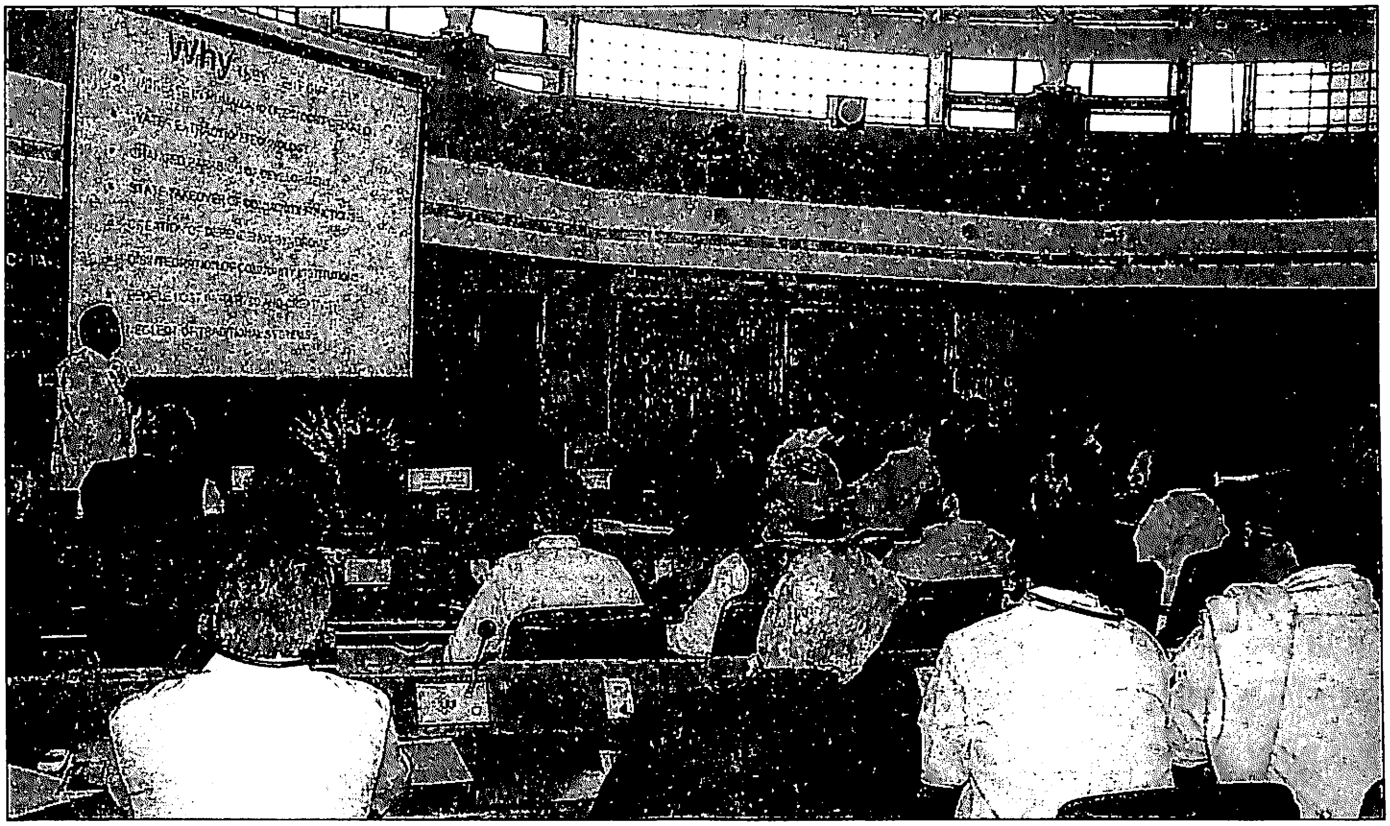

संसद के सभागार में सांसदो को 'कारगर जल संरक्षण तकनीकी एवं जमीनी अनुभवों' विषय पर भाषण एवं प्रस्तुतीकरण करते हुए।

- राजस्थान और केरल की जल नीति में अपने सुझाव दिए। तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश की सरकारों की जल नीति की राज्य स्तरीय कमेटी में राजेन्द्र सिंह को सदस्य मनोनीत किया गया है।

- नदी जोड़ परियोजना में तरुण भारत संघ ने अपने ही स्तर से केन-बेतवा नदी क्षेत्र में परियोजना के व्यावहारिक पहलुओं के अध्ययन के लिए तरुण भारत संघ के उपाध्यक्ष श्री जी.डी. अग्रवाल जी की अध्यक्षता में एक अध्ययन कमेटी बनाई गई है। कमेटी ने आई.आई.टी. कानपुर, पी.सी.आई. देहरादून, केन्द्रीय नदी-जोड़ परियोजना के चीफ इन्जीनियर और उत्तर प्रदेश के परियोजना से संबंधित अधिकारियों के साथ क्षेत्र का सर्वे कार्य किया है।

- देश में बढ़ती जा रही जल समस्या के समाधान के लिए आवश्यक जल संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष माननीय श्री सोमनाथ चटर्जी ने एक दिसम्बर, 2005 को राजेन्द्र सिंह को आमंत्रित किया। राजेन्द्र सिंह ने तरुण भारत संघ द्वारा किए गए, जल संरक्षण के कार्यों को प्रस्तुत किया। देश-दुनिया में प्राकृतिक जल के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर भी अपने विचार खुलकर रखे। इस समारोह में माननीय लोकसभाध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी, राज्य सभा उपाध्यक्ष, श्रीमती मार्ग्रेट अल्वा एवं 90 सांसद और उच्च सरकारी अधिकारी उपस्थित थे। सभी ने राजेन्द्र सिंह को बड़े धैर्य से करीब डेढ़ घण्टे सुना। सांसदों के साथ कुछ सवाल-जवाब भी हुए। सभी ने राजेन्द्र सिंह के जल दर्शन तथा जल समस्या समाधान के प्रयासों को सराहा।

- जल बिरादरी के माध्यम से पूरे देश में बड़े स्तर पर जल साक्षरता अभियान चलाया गया है। 9-12 नवम्बर, 2005 को पांचवां राष्ट्रीय जल बिरादरी सम्मेलन भीकमपुरा में आयोजित हुआ जिसमें पांच सूत्रीय घोषणा की गई। जल बिरादरी ने इस घोषणा को प्रचारित भी किया।

राजनीतिक और सरकारी स्तर पर जल के प्रति बेहतर दृष्टि निर्माण हेतु उठाए गए कदम :

चावल उत्पादन और उसके निर्यात के बारे में टिप्पणी करते हुए कृषि एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री शरद पवार ने एक बयान दिया - "एक किलो चावल उत्पादन के लिए अल्पावधि में 3000 ली. और दीर्घकाल में 5000 ली. पानी की आवश्यकता होती है। इसलिए हर एक चावल के निर्यात के साथ-साथ हम 5000 ली. पानी भी विदेशों को भेजते हैं"। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में गेहूं और चावल की फसल अधिक होती है। चावल की खेती में अधिक पानी इस्तेमाल होने से जमीन खराब होती है और किसानों को नुकसान ज्यादा होता है। उन्होंने पंजाब व हरियाणा के किसानों को वाणिज्यिक फसल उगाने की सलाह दी।

राजस्थान सरकार : नवम्बर माह में सिंचाई मंत्री सांवरलाल जाट ने बीकानेर प्रवास के समय सार्वजनिक तौर पर कहा कि हम पंजाब से पानी नहीं, अपना हक मांग रहे हैं। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के आपसी जल विवाद इस बात के प्रतीक बन गए हैं कि राज्यों की आपसी खींचतान में अब पानी मुख्य मुद्दा है। निजीकरण इस खींचतान को बढ़ायेगा। फिर भी पानी के निजीकरण के लिए सभी राजनीतिक दल एक मत नजर आ रहे हैं। एक भी राजनीतिक दल ने अभी तक पानी के निजीकरण के विरोध में एक भी बयान नहीं दिया है। पानी की राजनीति समाज में संघर्ष को बढ़ावा देती नजर आ रही है। राजस्थान में अपने पानी के लिए लोगों ने जानें दीं, पर सरकारी तंत्र अब भी अपनी हाथी की चाल चल रहा है।

जल-प्रबन्धन के लिए राज्य को 450 करोड़ का अनुदान देने वाले यूरोपियन कमीशन के शिष्टमण्डल ने राजस्थान सरकार से विचार-विमर्श कर राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर अनुदान देने का निर्णय किया है। इसके तहत जल चेतना अभियान चलाया जाएगा। कमीशन का कहना है कि राज्य में 134 जोन में 75 प्रतिशत तक जल दोहन हो रहा है। यदि इसी तरह दोहन जारी रहा तो जल्द ही ये इलाके डार्क जोन में आ जाएंगे।

तभासं के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने कहा कि राज्य में जल दोहन की गति तेज हो रही है। यह आधुनिक तकनीक का परिणाम है। बाजार के दबाव में सरकार सब्सिडी देकर किसानों के सामने जैसी तकनीक परोस रही है, किसान उसका ही इस्तेमाल कर रहा है। इससे भूजल का दोहन बढ़ा है। ऐसी स्थिति में अब यूरोपियन कमीशन की मानने और न मानने योग्य शर्तों की पालना करने की विवशता भी बढ़ रही है। उनके उपाय हमारी सामाजिक संस्कृति के अनुकूल नहीं है। हमें ऐसे अनुदान लेते समय अपनी शर्त रखनी चाहिए। जल दोहन के दुष्प्रभाव का संदेश समाज में जन-जन के बीच जाना चाहिए। कहना चाहिए कि अब जल का अति दोहन बन्द करें। जल सीमित है। समाज पानी का लालच कम करे। राज्य सरकार और कमीशन के साथ कई बैठकों में विचार-विमर्श के बाद 450 करोड़ की परियोजना स्वीकृत हुई है, उसका सदुपयोग हो।

राजस्थान में जन जागरण हेतु राजस्थान सरकार एवं गैर सरकारी संस्थाओं का साझा कार्यक्रम

जल अभियान

'जल अभियान' के शुभारंभ समारोह का आयोजन माननीय श्रीमती वसुंधरा राजे, मुख्यमंत्री, राजस्थान के मुख्य आतिथ्य तथा माननीय प्रो. सांवरलाल जाट, सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 10 दिसम्बर, 2005,

दोपहर 12:30 बजे हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर में शुरू हुआ।

अभियान के उद्देश्य

1. ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में जन-जन को जल की सीमित उपलब्धता एवं भू-जल के गिरते स्तर की स्थिति से अवगत कराना।

2. बूंद-बूंद जल संरक्षण एवं सदुपयोग के संदर्भ में जन-जन को जागृत एवं शिक्षित करना तथा उनमें उत्तरदायित्व की भावना जागृत करना।

3. भू-जल पुनर्भरण के आधुनिक व व्यावहारिक उपायों से जन-जन को अवगत कराना।

4. जल उपलब्धता बढ़ाने हेतु जन भागीदारी से आवश्यक निर्माण कार्य प्रारंभ करने हेतु जन मानस तैयार करना, संभावित क्षेत्रों में निर्माण कार्य संपादित करना। जल प्रबंधन में भी जनभागीदारी सुनिश्चित करना।

5. जल की खपत कम करने के उपायों से आम-जन को अवगत कराना।

जल अभियान में तभासं की सोच और दर्शन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पूरा सहयोग रहा है। यह जल अभियान यूरोपियन कमीशन के आर्थिक सहयोग से संपन्न हुआ। यूरोपियन कमीशन दिल्ली स्थित एक संस्था के माध्यम से तभासं के जल संरक्षण कार्य पद्धति को समझने जयपुर आया था और भीकमपुरा में ग्रामीण जल संरक्षण समुदाय के साथ बातचीत की थी। जन सहयोग से कराए गए कार्यों को देखा-समझा। राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में एक रूपरेखा बनाकर एक अध्ययन भी तैयार किया। उसी के अनुसार राजस्थान सरकार के साथ आगे चर्चा हुई थी। यूरोपियन कमीशन के साथ सरकारी स्तर पर बातचीत आगे बढ़ी। सरकार ने एक सलाहकार कमेटी बनाई, जिसमें राजेन्द्र सिंह को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। श्री सिंह ने राजस्थान के संदर्भ में यूरोपियन कमीशन और सरकार को अपने अनुभवों के आधार पर उचित सलाह दी।

जल साक्षरता कार्यक्रम

पांचवां जल बिरादरी जल-सम्मेलन 9.11.2005 से 12.11.2005 तक तरुण भारत संघ, भीकमपुरा में सम्पन्न हुआ। पांचवें राष्ट्रीय जल बिरादरी सम्मेलन में छ: देशों और 22 राज्यों के लगभग 1500 महिला-पुरुषों ने भाग लिया जिसमें देशभर के जल से जुड़े संभागियों, सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह सम्मेलन दो स्तर पर आयोजित किया गया था। एक स्तर पर राष्ट्रीय जल बिरादरी कार्यकारिणी की बैठक (9.11.2005 से 10.11.2005) हुई। इस बैठक में गत वर्षों में किए गए कार्यों का विवरण दिया गया। दूसरे स्तर की बैठक में कहा गया कि नई जल बिरादरी को सक्रिय करने पर विचार और भावी रणनीति व नियम भी बनाए गए। अब जल संबंधी समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सरकारी दृष्टिकोण इसे प्रोत्साहित और अधिक योजनाबद्ध तरीके से प्रभावित कर रहा है। जल की समस्याएं अब सीधे-सीधे आम आदमी... गरीब, किसान को संकट में डाल रही हैं। अब हमारे देश का पानी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के हाथों में पहुंचेगा। इससे देश को बचाना है। नदी जोड़ परियोजना देश की दुर्दशा कर देगी, नदियों का अस्तित्व ही नहीं बचेगा। नदियों के नष्ट होने से हमारी संस्कृति भी नष्ट होगी। ऐसे अनेक खतरे अभी तत्काल नजर आ रहे हैं। इन पर सरकार के साथ तुरन्त संवाद करना चाहिए। ऐसा तय हुआ।

9-10 नवम्बर की मीटिंग में लिए गए निर्णयों के आधार पर 11-12 नवम्बर के राष्ट्रीय सम्मेलन में देश से आए प्रतिनिधियों ने दो दिनों तक जल के विभिन्न मुद्दों पर अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं के विषय में विचार रखे। समूहवार चर्चाएं हुईं और उनका बड़े समूह में प्रस्तुतिकरण किया गया। सामूहिक राय इस प्रकार है :

1. जल बिरादरी सर्वसम्मति से जल के व्यावसायीकरण तथा निजीकरण का विरोध करती है और ऐसी व्यवस्था लागू करने की सरकार की नीति के विरोध में राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह का प्रण लेती है।

2. जल बिरादरी की स्पष्ट राय है कि वर्तमान जलनीति पानी के व्यावसायीकरण और निजीकरण का रास्ता खोलती है, जो कि समाज को पानी के मालिकाना हक से बेदखल करेगा। नदी जोड़ परियोजना भारत के लोगों, खेतों तथा प्रकृति की प्रत्येक-इकाई को पानी नहीं पिला सकती; सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि यह परियोजना पानी की वर्तमान सामुदायिक जल प्रबन्धन व्यवस्था को तोड़ कर पानी की कमी और विवाद का गहरा संकट खड़ा करेगी। अत: जल बिरादरी के पास कोई अन्य विकल्प नहीं है, सिवाय इसके कि बिरादरी वर्तमान जल-नीति तथा नदी-जोड़ परियोजना का विरोध करे। बिरादरी का विश्वास है कि समुदाय आधारित जल-प्रबन्घन ही इसका एकमात्र व सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। पानी को मूल आवश्यकता बनाने से काम नहीं चलेगा; पानी पर समाज के हक को संवैधानिक दर्जा दिया जाए।

3. जल बिरादरी मांग करती है, कि सरकार प्रस्तावित लाभार्थी एवं भागीदारों को नदी-जोड़ परियोजना की विस्तृत एवं छोटी से छोटी जानकारी मुहैया कराए। जब तक सरकार नदी जोड़ मसले पर जनमत प्राप्त नहीं करती, तब तक जल बिरादरी इस परियोजना के क्रियान्वयन को लागू नहीं होने देने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

4. जल प्रदूषण नियंत्रण के मोर्चे पर पूरे देश में नाकारा साबित होते सरकारी तंत्र को लेकर जल बिरादरी चिंतित है। अत: बिरादरी मांग करती है कि सरकार जल प्रदूषण नियंत्रण कानूनों का पालन सख्ती से सुनिश्चित करे। यदि वर्तमान कानून प्रभावी नहीं हों, तो नए प्रभावी कानून बनें और उचित निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित हो।

5. सरकार व बाजार द्वारा समाज, संस्था व व्यक्तियों द्वारा उठाए जा रहे रचनात्मक कदमों की उपेक्षा की जा रही है। बिरादरी मानती है कि इससे सभी स्तर पर और सभी प्रकार के बीच जल विवाद बढ़ रहे हैं। नदी जोड़ ऐसे विवाद और बढ़ायेगा। यह समय है कि सभी अपने स्वार्थ त्याग कर अन्याय के प्रतिकार के लिए एकजुट हों। एकजुट होने से ही सभी का अस्तित्व बचेगा। इस विचार को कार्यरूप देने के लिए बिरादरी पूरे देश में जल साक्षरता मिशन इकाइयों के गठन की पहल करेगी। यह मिशन छोटी जल संरचनाओं के निर्माण समेत जल से जुड़े सभी पहलुओं के प्रति संबंधित जनों की समझ बनाने व प्रेरित करने का काम करेगा।

उपरोक्त मुद्दे जिन पर जल बिरादरी सम्मेलन में आम सहमति बनी, पारित किए गए हैं। जिसे भीकमपुरा जल-घोषणा-पत्र के नाम से जाना गया। 12-11-2005 में सम्मेलन के अन्तिम सत्र में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि श्री डी.सी. सामन्त भी आए हुए थे। उनके सामने ही ये मुद्दे पेश किए गए।

केन्द्र सरकार के साथ संवाद

भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली के साथ राजेन्द्र सिंह जी की कई दौर की बातचीत के बाद अब जल साक्षरता संबंधित मुद्दे युवा कार्यक्रमों की प्राथमिकता बन सके हैं। नेहरू युवा केन्द्र, संगठन ने वर्ष 2006 के अपने कार्यक्रमों में जल संरक्षण को खास तबज्जो दी है। तरुण भारत संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने दिल्ली, पटना, रतलाम आदि में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में भाग ले पूरा सहयोग किया है। उन्होंने जल संसाधन मंत्रालय एवं नदी जोड़ योजना के अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाने के प्रयास किए हैं। राष्ट्रीय किसान आयोग भारत सरकार-कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली को तरुण भारत संघ द्वारा किए गए कार्यों के एवं सफल ग्राम विकास के अध्ययन व सुझाव दिए। ग्रामीण पेयजल हेतु गठित संसदीय कमेटी के अध्यक्ष श्री कल्याण सिंह जी के समक्ष अपने सुझाव रखे।

राज्य सरकारों के साथ संवाद

तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, राजस्थान की सरकारों द्वारा राजेन्द्र सिंह को जल-नीति के लिए बनाई गई विशेषज्ञ, समिति मेंरखा गया है। सभी समितियों में उन्होंने सामाजिक हित के पहलुओं की स्पष्टता पर विचार दिए। ऐसे मसौदों को नीतियों में जुड़वाने का प्रयास भी किया । राज्य सरकारों के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के द्वारा तभासं द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी के लिए क्षेत्र में किए गए शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रमों में तभासं ने बराबर सहयोग किया। कार्य दृष्टि से, वैचारिक दृष्टि से सहयोग किया। राज्य सरकारों के निमंत्रणों पर उनके कार्यक्रम में भाग लिया। जल समस्या, समाधान, समाज की सहभागिता बढ़ाने जैसे अहम् मुद्दों पर राजेन्द्र सिंह ने पूरे भारत में संवाद बनाने की पुरजोर कोशिश की है।

गैरसरकारी संस्थाओं के साथ संवाद

पानी के कार्यों में रुचि रखने वाली संस्थाओं ने वैचारिक स्पष्टता के लिए तरुण भारत संघ के कार्यों को देखा-समझा। ग्रामवासियों से बातें कर जानकारी ली। अपने क्षेत्र में राजेन्द्र सिंह व अन्य कार्यकर्ताओं को बुलाया।

व्यक्तिगत स्तर पर संवाद

तरुण भारत संघ के द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखने विभिन्न संस्थाओं के अनेक कार्यकर्ता अक्टूबर से मार्च तक के समय अन्तराल में आए हैं। उन्होंने गांव वालों के साथ, कार्यकर्ताओं के साथ जल संरक्षण, ग्रामवासियों के साथ, कैसे कार्य करें ? पूरी प्रक्रिया को जाना-समझा है। तभासं ने भी व्यक्तिगत स्तर पर कार्य करने व समझने के जिज्ञासु जनों से संवाद जारी रखने की प्रक्रिया बाधित नहीं होने दी।

औद्योगिक जगत के साथ संवाद

श्रीराम फर्टिलाइजर, कृभको फर्टिलाइजर, इन्वायरोटेक और रघुहरि डालमिया, ग्रामीण क्षेत्रों के बैंक अधिकारी आदि ने तभासं के कार्यों को देखा। लोगों और कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श करके जल-संरक्षण के कार्य शुरू किए। डालमिया ने तो राजस्थान में अपने पैतृक गांव चिड़ावा में बरसाती पानी को संग्रहित करने के लिए मकान की छत पर बरसने वाले पानी को टांके से जोड़ा है। वहां करीब 370 टांके बनवाए हैं। आगे पूरी चिड़ावा तहसील के प्रत्येक गांव में ऐसे हजारों टांके बनवाने का मन बनाया है। स्थानीय समाज के लिए यह शुभ संकेत है।

युवावर्ग के साथ संवाद

तभासं ने युवा वर्ग को पूरा सहयोग दिया है। तभासं के कार्यों को देखने-समझने के लिए विभिन्न संस्थानों से लोग आते है। युवावर्ग ने दो दिन से लेकर दो माह तक संस्था के कार्यक्षेत्र में रहकर अपने-अपने अध्ययन किये हैं। उनके अध्ययन में संस्था के सभी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने पूरा सहयोग किया है। गांव में अगर उन्हें कहीं रहना पड़ा, तो उसके लिए व्यवस्था की। जो जानकारी चाहिए थी, उसे उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया, जिससे उनके अध्ययन में कोई बाधा न आए। इतनी रुचि से इसलिए करना होता है कि युवावर्ग के मन में भी गांव की मिट्टी के साथ एक लगाव हो जाए।

राजस्थान व हरियाणा में दिनांक 16.11.2005 से 10.12.2005 के बीच आयोजित जल साक्षरता कार्यक्रम की जानकारी :

राजस्थान : अलवर, जयपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली, कोटा जिलों के विद्यालय, महाविद्यालयों और ग्राम सभाओं के साथ बैठक। कुल 315 सभाओं के माध्यम से 108065 विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा आम जनों के बीच जल-साक्षरता का संदेश पहुंचाया।

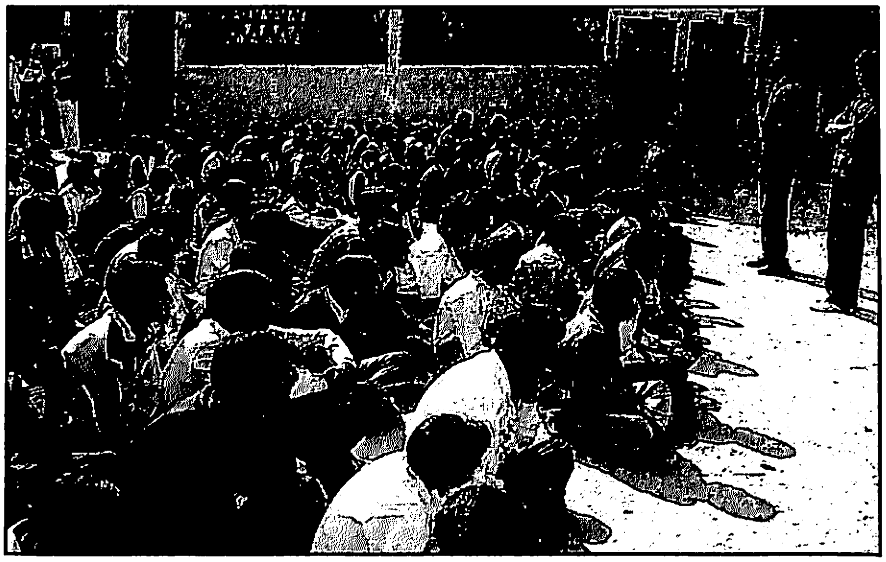

तरुण भारत संघ के कार्यकर्ता प्यारे लाल शर्मा स्कूली बच्चों को जल साक्षरता अभियान के विषय में जानकारी देत हुए।

हरियाणा : भिवानी, हिसार, रोहतक, महेन्द्रगढ़, झज्झर, रेवाड़ी तथा गुड़गांव जिलों के विद्यालयों, महाविद्यालयों सहित 87 सभाएं की गईं, इनमें इकतालीस हजार विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया।

इस प्रकार दोनों राज्यों में 13 जिलों के 402 ग्रामीण व शहरी विद्यालयों-महाविद्यालयों में डेढ़ लाख छात्र-छात्राओं के बीच में जाकर जल-साक्षरता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चलाया गया। जल-साक्षरता अभियान का नारा '*जल बचाओ जीवन बचाओ*' उत्साहवर्धक रहा। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अभियान में गहरी रुचि दिखलाई। राष्ट्रीय जल नीति की खामियां, जल समस्या, जल का निजीकरण, जल समस्या के समाधान, इनमें छात्र-छात्राओं व बुद्धिजीवियों की भूमिका, तरुण भारत संघ द्वारा जल संरक्षण में किए गए प्रयास पर चर्चा और संबंधित सामग्री का वितरण और पद यात्राएं इस अभियान की मुख्य गतिविधियां रहीं। इस अभियान को समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश की गई।

जल जमात पदयात्रा

इस पदयात्रा का निर्णय 13 नवम्बर को श्री सिद्धराज ढड्ढा जी की अध्यक्षता में की गई तरुण भारत संघ की कार्यकर्ता बैठक में लिया गया। जल जमात पदयात्रा के लिए 19 दिसम्बर का शुभ दिन तय किया। गांधीजी ने मुल्क के बंटवारे के वक्त इसी तारीख को ग्राम घासेड़ा मेवात (हरियाणा) में आकर लोगों से भारत में रहने का आह्वान किया था। मेवात जल जमात पदयात्रा के अवसर पर ग्राम घासेड़ा के स्कूल में जल-सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 400 लोग उपस्थित थे। इनमें किसान, अध्यापक, छात्र, हरियाणा राज्य के सरकारी अधिकारी, स्वैच्छिक संस्थाएं, कार्यकर्ता

एवं तरुण भारत संघ के कार्यकर्ता सभी मौजूद थे।

जल जमात पदयात्रा के समापन्न पर सभा को संबोधित करते हुए राजेन्द्र सिंह एवं अन्य अतिथिगण।

दिल्ली से बहेरूम मियां, अरुण तिवारी, नित्या जेकब अलवर से शान्तिस्वरूप डाटा, राजेन्द्र सिंह, गुड़गांव, हरियाणा से पी.के. खरे, राजेन्द्र यादव, सी.पी. सिंह तथा बिहार से बसंतभाई पधारे थे।

सम्मेलन के बाद अतिथियों की अगुवाई में ग्राम घासेड़ा से 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक चलने वाली जल जमात पद यात्रा का 4 बजे शुभारम्भ किया गया। यह पदयात्रा 45 किमी लम्बे रास्ते से ग्राम, कस्बे, शहरों में जल साक्षरता का संदेश देती हुई 25 दिसम्बर को राजस्थान के अलवर-तिजारा तहसील के हसनपुर गांव में पहुंची। वहां एक बड़ी आम बैठक की गई, जिसे क्षेत्र के लोगों ने और बाहर से आए मेहमानों ने संबोधित किया। इस बैठक में 500 से अधिक लोगों की मौजूदगी थी। पदयात्रा का मकसद मेवात क्षेत्र (हरियाणा-राजस्थान) में जल के प्रति लोगों को जागरूक करने का यह संदेश पहुंचाना था कि अब समय आ गया है कि अपने पानी का संरक्षण करना हर व्यक्ति का पहला काम हो। पानी को ऐसे संरक्षित किया जाए, ताकि उसका सामूहिक तौर पर लम्बे समय तक उपयोग किया जा सके। केन्द्रीय व राज्य की जल नीति की जानकारी भी दी गई। जल निजीकरण भी संबोधन का विषय रहा।

अन्ना मित्र मिलन सम्मेलन - (11.3.2006)

अन्ना मित्र मिलन सम्मेलन देश में सर्वोदय विचार और गांधी विचारधारा के लोगों का मिलन-समारोह था। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ग्राम सभाओं के द्वारा किए गए सामाजिक व रचनात्मक कार्यों की एकरूपता और सकारात्मक विकास की धारा को समझना-समझाना था। तभासं ने समाज के साथ मिलकर अपने क्षेत्र में जो भी कार्य किए हैं; उन्हें देखकर सभी खुश हुए। यह सम्मेलन स्वर्गीय श्री सिद्धराज जी के आग्रह पर पूर्व नियत तय हुआ था, परन्तु सम्मेलन से दो दिन पहले ही उनका स्वर्गवास हो गया था। फिर भी सम्मेलन यथासमय तिथि पर शुरू हुआ।

देशभर से आये गांधीवादी विचारकों का अन्ना मित्र मिलन सम्मेलन सम्पन्न।

संस्था के महामंत्री कन्हैयालाल जी ने शिविर की

शुरुआत करते हुए 'गांव के हैं, हम रहने वाले। गांव का मान बढ़ायें हम॥' गीत सुनाया तथा तभासं का परिचय दिया। अरुण तिवारी जी ने सिद्धराज जी के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला। इसके बाद उपस्थित जनों में श्री साधना दामोदरजी गोरे, श्री पद्माकर शुक्ल, श्री पंचमभाई हस्तेडियां, श्री दशरथ भाई, श्री पी.ए. पटेल एवं श्रीमती तेजस्विनी, धर्मपालजी अग्रवाल, शान्तिस्वरूप डाटा और पेमाराम मीणा ने अपने विचार व्यक्त किए। स्व. श्री सिद्धराज जी के प्रति श्रद्धांजलि देने के बाद सम्मेलन की विधिवत प्रक्रिया शुरू हुई।

राजेन्द्र सिंह ने गांव की पहली जरूरत पानी बताया। उन्होंने उपस्थित जनों का समाज के साथ पानी के काम को अपने अनुभव से अवगत कराया। उन्होंने कहा - "हमें अगले दो दिन गांवों में जाकर ग्रामीणों से ही बातें करनी है। उनके काम को समझना है। इसके बाद अगर आगे चर्चा की जाए तो अच्छा रहेगा। सभी ने स्वीकार किया। दोपहर बाद क्षेत्र के कार्य देखे। 12 मार्च को भी दोपहर तक कार्य देखने का ही कार्यक्रम रहा। दोपहर के सत्र में पूरे कार्यक्रम पर एक समीक्षा बैठक हुई। इसमें ग्राम-सभाओं के सहयोग से हो रहे पानी व अन्य संबंधित कार्यों को आगे लाने की प्रतिबद्धता जताई। इस सम्मेलन में सभी आगन्तुकों ने तभासं के कार्यों को सराहा।

राष्ट्रीय जल पंचायत

24 मार्च, 2006 को तरुण भारत संघ के भीकमपुरा स्थित 'तरुण आश्रम' में एक जल पंचायत हुई, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों एवं भारत के अन्य भागों से आए करीब 50 लोगों ने भाग लिया।

जल पंचायत के मुद्दे निम्नवत् रहे :

1. जल का निजीकरण
2. सुखाड़ एवं बाढ़
3. पानी का वर्तमान व भावी संकट
4. पानी संरक्षण के प्रयास
5. विदेशी कम्पनियों एवं उद्योगों के द्वारा किए जा रहे पानी का दोहन
6. महिला विकास एवं बाल विकास
7. एक वर्ष की भावी कार्य-योजना पर विचार किया गया।

राजस्थान जल पंचायत

राजस्थान में बढ़ते भू-जल दोहन, घटे जल स्रोतों को देखते हुए राजस्थान में एक भूजल अधिनियम की आवश्यकता महसूस की जा रही है। आज चारों तरफ जल की त्राहि-त्राहि है, तो दूसरी तरफ जल के अत्यधिक दोहन से भूजल दिन-प्रतिदिन नीचे जा रहा है। तभासं ने इस संदर्भ में पहल करते हुए राजस्थान सरकार को अवगत कराया। तभासं ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर भी की है और समाज के साथ भी इस संबंध में चर्चा की गई हैं।

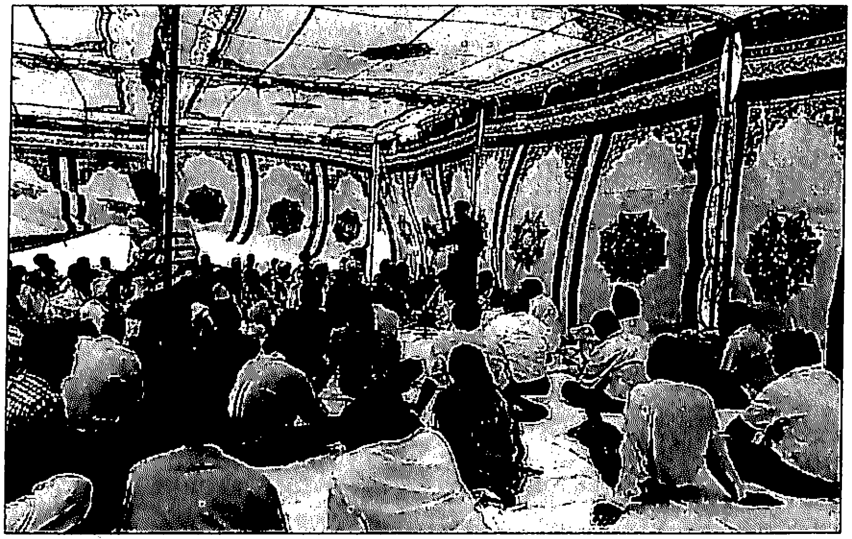

जल पंचायत मांचवा में जल दोहन पर विचार व्यक्त करते हुए राजेन्द्र सिंह।

जयपुर में बढ़ते शहरीकरण के कारण ग्रामीण क्षेत्रों पर आबादी का दबाव बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप या तो गांवों का अस्तित्व ही खत्म हो रहा है या फिर पानी के लिए गांव और शहरों में कशमकश चल रही है। हाल ही में बीसलपुर बांध के पानी को लेकर ग्यारह लोगों को पुलिस की गोली खानी पड़ी, परन्तु पानी नहीं मिला। यह पानी पर हक़ और मांग-आपूर्ति में आए असन्तुलन का झगड़ा है। पानी बहुत ही सीमित मात्रा में उपलब्ध है और मांग अधिक है। इन सभी तथ्यों पर विचार करने के लिए तभासं अध्यक्ष व जल बिरादरी ने मिलकर प्रदेश भर में जल पंचायतों के माध्यम से जनसुनवाई अभियान चलाया है।

(6 अप्रैल) माचवां में बिल्डरों और ग्रामीणों के साथ संवाद हुआ।

(11-12 मई) मेवाड़ की स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ घटते भूजल पर विचार-विमर्श।

(7 जून) तिलोनिया में ग्रामीण व जनप्रतिनिधियों के साथ वैचारिक मंथन।

(22 जून) डिग्गी में जाट धर्मशाला में जल-पंचायत सम्मेलन।

(4-5 सितम्बर) भांवता में जल संरक्षण सभा।

(15-17 अक्टूबर) मारवाड़ में जल संरक्षण सभाएं।

(18 अक्टूबर) शेखावाटी में जल-पंचायत सम्मेलन। थार व हाड़ौती क्षेत्र में भी जल-पंचायत की गई।

जल साक्षरता एवं पर्यावरण रक्षा शिविर श्रृंखला - (11.02.06 से 09.3.06)

हरियाणा मेवात जल बिरादरी के अध्यक्ष श्री इब्राहीम खान स्कूली बच्चों के जल के विषय में जानकारी देते हुए।

तरुण भारत संघ द्वारा चलाए जा रहे जल साक्षरता अभियान के तहत पर्यावरण रक्षा शिविर श्रृंखला आयोजित कर एक महीने में 55 विद्यालयों के छात्रों के साथ जल साक्षरता एवं पर्यावरण विषय पर समझ बनाने की कोशिश हुई। इस दौरान गांव की जानकारी, गांव का नजरी नक्शा, निबन्ध प्रतियोगिता, चित्रकला, जल संरक्षण वार्ता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविता तथा प्रेरक कहानियां आदि का प्रस्तुतीकरण किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल बच्चों को पारितोषिक दिए गए। शिविर को तभासं के कार्यकर्ताओं और अध्यापकों के अलावा मेहमानों ने भी संबोधित किया।

तरुण भारत संघ द्वारा स्कूल के छात्रों के लिए किए गए शिविरों का विवरण -

क्र.सं.	स्थान का नाम	दिनांक	संभागी	विवरण
1.	स्कूल, पुरिया का गुवाड़ा	11-12.02.06	65 छात्र-छात्राएं	जल साक्षरता एवं पर्या. शिविर
2.	राडा स्कूल, नाडू राजगढ़	18-19.02.06	67 छात्र-छात्राएं	जल साक्षरता एवं पर्या. शिविर
3.	रा.प्रा. विद्यालय, अलापुर	20.02.06	100 छात्र-छात्राएं	जन-जागृति के लिए
4.	तभासं उपकेन्द्र, नीमली	26.02.06	170 छात्र-छात्राएं	” ”
5.	जैन मैरिज होम, फिरोजपुर	07.03.06	370 ” ”	” ”
6.	उच्च प्रा. विद्यालय, बघौल	09.03.06	150 ” ”	” ”

11-12 फरवरी, 2006 - राजकीय विद्यालय एवं गैर सरकारी विद्यालयों में जल एवं जंगल की साक्षरता एवं पर्यावरण की रक्षा की जानकारी देने के लिए गांव पुरिया का गुवाड़ा में दो दिवसीय शिविर किया गया। शिविर में 65 छात्रों ने भाग लिया। इसमें रा. उ. प्रा. विद्यालय और रा. प्रा. विद्यालय (पुरिया का गुवाड़ा) रा. मा. विद्यालय बघौल (हमीरपुर) विपिन पब्लिक स्कूल (जगन्नाथपुरा) रा.प्रा. विद्यालय (कालैड़) बोधशाला (देवका देवरा) और बोधशाला (मानक्या ढाणी) के विद्यार्थियों ने भाग लिया। तभासं कार्यकर्ता कन्हैयालाल गुर्जर, छोटेलाल मीणा, मुरारीलाल शर्मा, धर्मवीर यादव, राजनारायण मौर्य और हनुमान छीपी तथा अध्यापक गण - रामजी लाल शर्मा, शंभूदयाल शर्मा, अरवरी सांसद रूड़ा राम मीणा, गोविन्द राम, ग्राम सभाओं के सदस्य के साथ मिलकर तरुण जल विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने शिविर संचालन की पूर्ण व्यवस्था संभाली। 20 विद्यालयों के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल छात्रों को पारितोषिक दिया गया।

18-19 फरवरी, 2006 - ग्राम राडा में कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थियों का शिविर किया गया। जिसमें क्षेत्र के विद्यालय- राड़ा, नाडू, मुरलीपुरा, देवरी, तालाब, टहला व गुजरान लोसल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभिन्न प्रकार की छात्र प्रतियोगिताएं हुईं। प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी में आने वाले छात्रों को ईनाम दिया गया।

श्री श्रवण शर्मा, मुरारीलाल जांगिड़, जगदीश जी, रामफूल, राजनारायण, महादेव, सुभाष शर्मा आदि ने शिविर की भिन्न व्यवस्थाएं संभाली।

20 फरवरी, 2006 को रा.प्रा. विद्यालय अलापुर में शिविर सम्पन्न हुआ। ग्राम पंचायत पालपुर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक बच्चों ने इस शिविर में भाग लिया। यह शिविर तरुण भारत संघ के उपकेन्द्र (नीमली) पर दिनांक 26.2.06, गुरुवार को शुरू हुआ। इस शिविर में सात विद्यालयों के 170 छात्र-छात्राओं ने तथा पसाली सिलाई सेन्टर की चार छात्राओं ने पूर्ण तैयारी के साथ भाग लिया। जल विद्यापीठ के छात्र जोगाराम चौधरी ने इस क्षेत्र के विद्यालय... रा.उ.प्रा. कि. (बाघोर) रा.उ.प्रा. वि. (पलासली) आदर्श पटेल उ.प्रा.वि. (बाघोर) रा.प्रा.वि. (बूढ़ी) रा.प्रा.वि. (वोहडो का वास) रा.प्रा.वि. (नीमली) रा.प्रा.वि. (मदारियों का बास) और रा.प्रा. वैकल्पिक वि. (नीमली) में जाकर प्रधानाचार्यों से सम्पर्क किया। सभी ने अपने छात्रों को नियत समय और तिथि पर शिविर में भेजा। सुबह 11 बजे शिविर का शुभारंभ करते हुए श्री रामेन्द्र सिंह ने सभी छात्रों का परिचय लिया। परिचय के बाद तरुण जल विद्यापीठ के छात्रों ने 'हम हैं गांव के रहने वाले' गीत गाया। शिविर के मुख्य अतिथि इब्राहिम खान - (जल बिरादरी अध्यक्ष - मेवात क्षेत्र, हरियाणा) थे। उपस्थित सभी छात्र-छात्रा अपने गुरुजनों के साथ हाथों में जल संरक्षण व पर्यावरण के नारों की तख्तियां लिए और नारे लगाते हुए शिविर स्थल तक पहुंचे। नारे थे -

जल बचाओ, बूंद-बूंद की कद्र करो। यह अनमोल खजाना है।

एक-दो-तीन-चार। पेड़ लगाओ कई हजार।।

इस प्रकार के नारों से नीमली गांव गुंजायमान हो गया था ।

इब्राहिम खान ने बच्चों को जल संरक्षण एवं पर्यावरण के विषय में विस्तार से जानकारी दी। इस्लाम धर्म में वर्णित जल-जंगल-जमीन का महत्व भी बताया। बच्चों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गईं। बच्चों के उत्साहवर्द्धन के लिए पारितोषिक भी दिए गए।

7 मार्च, 2006 : प्रात: 10 बजे शिविर स्थल पर बच्चे आने शुरू हुए। दोपहर एक बजे तक 24 विद्यालयों से 370 विद्यार्थी शिविर में उपस्थित हुए। इसके बाद शिविर की प्रक्रिया शुरू हुई। जैन मैरिज होम में ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, फिरोजपुर शाखा की प्रधान आशा दीदी ने अध्यक्षता की। उपस्थित छात्रों को पर्यावरण, सामाजिक दायित्व, अध्यात्म के साथ-साथ आदर्श छात्र और समाज के निर्माण की बातें बताईं। इस सम्मेलन में रामेन्द्र सिंह (तभासं) रामावतार सोनी, इब्राहिम खान (अध्यक्ष, जल बिरादरी, मेवात) राजनारायण मौर्य - (तभासं) ने अपने विचारों से संबोधित किया। इस शिविर तैयारी में तरुण भारत संघ के कार्यकर्ताओं एवं तरुण जल विद्यापीठ के छात्रों ने 22 स्कूलों में संपर्क किया।

9 मार्च : ग्राम बघौल क्षेत्र के अलग-अलग विद्यालयों से 150 छात्र-छात्राएं प्रात: 10 बजे बघौल उच्च प्राथमिक विद्यालय में एकत्रित हुए। शिविर की प्रक्रिया ठीक 11 बजे शुरू हुई। शिविर की अध्यक्षता फिरोजपुर की प्रधान आशा जी ने की। उन्होंने बच्चों को प्रकृति के साथ छेड़-छाड़ करने को पाप बताया। मनुष्य ने भौतिक सुखों की खातिर सबको दुख देना तथा जुल्म करना शुरू कर दिया है। हिंसा बढ़ रही है, वह आपस में ही लड़ रहा है, बच्चे मन के सच्चे होते हैं। आशा जी ने बच्चों के कोमल हृदय पर प्रकाश डाला और एक कहानी भी सुनाई। पर्यावरण शिविर को तभासं के कार्यकर्ता रामेन्द्र सिंह, ने तरुण भारत संघ के विषय में बताया कि संस्था ने गांववासियों के साथ मिलकर अपने गांव को कैसे अच्छा बनाया है ? इब्राहिम खान ने मेवात में गांधी के आने से लेकर अब तक के राजनीतिक परिदृश्य से अवगत कराया। डा. बशीर अहमद साहब - नवाब शम्सुद्दीन, माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य और विशिष्ट अतिथियों ने जल का महत्व बताते हुए कहा कि जल अमूल्य धरोहर है। शिक्षा तथा पर्यावरण का आपस में गहरा संबंध है। उन्होंने पशु-पक्षी और मानवीय संबंधों पर भी प्रकाश डाला।

स्कूली बच्चों के जल साक्षरता एवं पर्यावरण का संदेश देते तथा बच्चों का सम्मान करते हुए तरुण भारत संघ के कार्यकर्ता।

ग्रामीण विकास के कार्यक्रम

ग्रामीण क्षेत्रों में संस्था द्वारा गांव की समस्या समाधान जानकारी की बैठकें की गईं, जिनका विवरण निम्नवत है :

जल संरक्षण

नदी बेसिन क्षेत्र

इस साल अरवरी, रूपारेल, भागानी-तिलदेह, जहाजवाली और सरसा नदीघाटी क्षेत्र की ग्राम सभाओं के संगठन को मजबूत व सक्रिय बनाने हेतु ग्रामसभाओं की बैठक करके गांव के प्राकृतिक संसाधन संरक्षण जल व जंगल संरक्षण, ग्राम स्वावलम्बन पर चर्चा की गई। इस दौरान तभासं के कार्यकर्ता और ग्रामवासी अपने प्राकृतिक संसाधनों तथा जल संरचनाओं के संरक्षण, ग्रामकोष आदि इन बैठकों में बराबर चर्चा करते हैं।

अरवरी नदी क्षेत्र : अरवरी नदी क्षेत्र में अप्रैल, 2005 से मार्च, 2006 तक किए गए कार्यों का विवरण -

- 03.04.05 ग्रामसभा सांवत्सर में जल संरक्षण हेतु मीटिंग हुई।
- 08.04.05 ग्रामसभा आगर में जल संरक्षण हेतु मीटिंग हुई।
- 15.04.05 ग्रामसभा कालैड़, सेवा का गुवाड़ा, डुमोली, वन सुरक्षा समिति की मीटिंग।
- 30.04.05 ग्रामसभा कालैड़, सेवा का गुवाड़ा, डुमोली, वन सुरक्षा समिति की मीटिंग।
- 29.05.05 ग्रामसभा कालैड़ में दण्ड के हनुमान जी मंदिर पर 14वां अरवरी अधिवेशन हुआ।
- 17.07.05 ग्रामसभा सेवा का गुवाड़ा में मीटिंग।
- 25.07.05 ग्रामसभा सांवत्सर में सोजी पटेल की तिबारी में मीटिंग।
- 19-24.8.05 'पेड़ लगाओ व पेड़ बचाओ पद -यात्रा' थानागाजी से जमुवारामगढ़ अरवरी क्षेत्र में की।
- 04.09.05 अरवरी संसद व जल बिरादरी के तत्त्वावधान में जल पंचायत सम्मेलन भांवता (थानागाजी) जिला अलवर में हुआ।
- 25.09.05 ग्राम देव का देवरा में जल संरक्षण कार्य हेतु मीटिंग।
- 2.10.05 ग्राम भीकमपुरा में गांधी जयंती के अवसर पर पिछले वर्ष किए गए कार्यों की समीक्षा व अच्छे कार्यों के लिए ग्राम सभा-सांवत्सर, लांकास, सेवा का गुवाड़ा, नांगलहेड़ी को सम्मानित किया गया।
- 20.10.05 ग्राम लालपुरा में पानीपापड़ा बांध के श्रमदान की तैयारी हेतु बैठक हुई।
- 25.11.05 ग्राम देव का देवरा में श्मशान वाली जोहड़ी व जंगल संरक्षण की तैयारी हेतु बातचीत हुई।

- 29.11.05 ग्राम जोगियों की ढाणी, संजयनाथ जी में खार वाला जोहड़ की तैयारी हेतु बैठक हुई।
- 01.12.05 ग्राम सेवा का गुवाड़ा, मोडला, झीझाला, धोलीदांती स्कूल में ज्वार वाला जोहड़ के श्रमदान व जंगल संरक्षण हेतु बैठक की गई।
- 03.12.05 ग्राम गुजरों का गुवाड़ा में जालखी वाली जोहड़ी वास्ते बैठक हुई। हमीरपुर में बैठक वाली जोहड़ी की बैठक हुई।
- 04.12.05 ग्राम हमीरपुर बैणी वाला जोहड़ कार्य देखा।
- 06.12.05 जल संरक्षण हेतु ग्राम देवका देवरा में श्मशान वाली जोहड़ी को देखा और मीटिंग की।
- 07.12.05 ग्राम सांवत्सर में राड़ा वाला बांध पर अरवरी संसद के 15वें अधिवेशन की तैयारी हेतु बैठक की गई।
- 08.12.05 ग्राम डुमोली, खाटाला, लालकाला में जंगल कटान के लिए आकस्मिक बैठक हुई।
- 08.12.05 ग्राम कालैड़ में आसुड़ी बाट के नीचे बाबाजी वाला जोहड़ का कार्य देखा।
- 10.12.05 ग्राम डुमाली में पौ की घाटी वाले एनीकट का कार्य देखा।
- 17.12.05 ग्राम हरीना, दुदकी, जाटक्या हार में ग्राम सभा के साथ जोहड़ निर्माण की तैयारी हेतु बैठक हुई।
- 17.12.05 ग्राम गुजरों का गुवाड़ा जालटरी वाला एनीकट देखा।
- 18.12.05 ग्राम दुदु की ढाणी आगीर सार्वजनिक जोहड़ देखा।

अरवरी क्षेत्र में आयोजित अरवरी संसद जल-सम्मेलन को संबोधित किया। अरवरी क्षेत्र में बाकी बचे काम को एक वर्ष में पूरे करने के लिए सभी सांसदों से चर्चा की। देश के अन्य भागों से आये लोगों के साथ जल संरक्षण कार्य करने पर चर्चा की।

अरवरी संसद के अधिवेशन

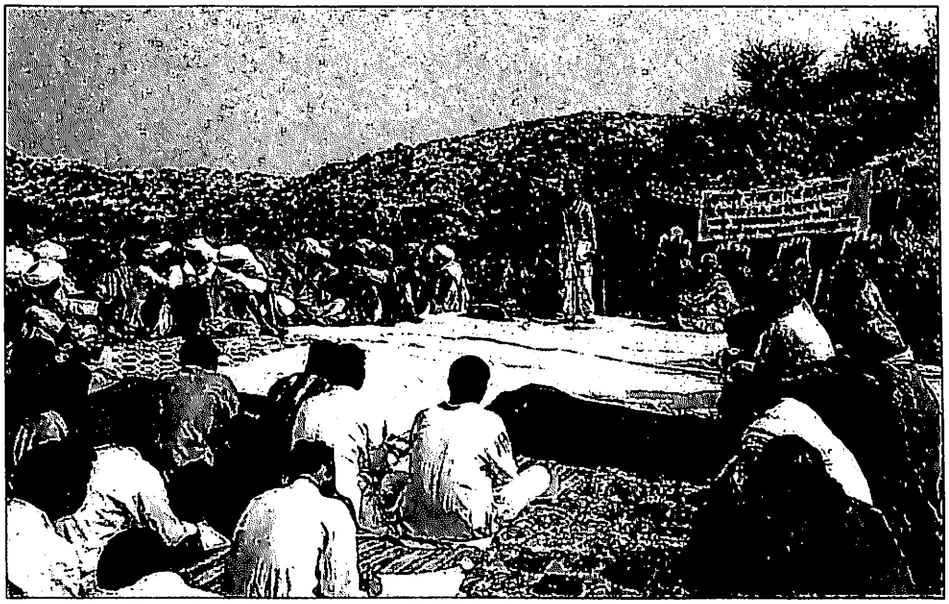

ग्राम सेवा का बाड़ा में आयोजित अरवरी संसद को संबोधित करते हुए कन्हैयालाल गुर्जर।

29.05.05 ग्राम सभा कालैड़ में दण्ड के हनुमानजी मंदिर पर 14वां अरवरी अधिवेशन हुआ। इसमें अरवरी नदी घाटी के ग्रामवासियों और सांसदों ने भाग लिया। 23.12.05 को अरवरी संसद का 15वां अधिवेशन सांवत्सर के पारा वाला बांध पर हुआ। जिसमें अरवरी संसद के सदस्यों के अलावा ग्रामवासियों, अन्य प्रान्तों से आए अतिथियों को लेकर लगभग 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में तरुण भारत संघ के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह, सचिव कन्हैयालाल गुर्जर के साथ अलीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रो. आर.एस. सिद्दिकी, इन्वायरोटेक के श्री एस. के. गुप्ता ने इस सम्मेलन को संबोधित किया।

राजगढ़ क्षेत्र भगानी-तिलदेह नदी घाटी क्षेत्र :

- 13.10.05 ग्राम माण्डलवास में भोमियां वाले बांध की पाल को मजबूत करने हेतु 45 लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई।
- 14.10.05 ग्राम माण्डलवास में जंगल संरक्षण, जंगल बचाने, भौमियां बांध के श्रमदान संबंधी 48 लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई।
- 16.10.05 ग्राम राजौर गढ़ में बुबानियां बांध निर्माण वास्ते 35 लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई।
- 19.10.05 ग्राम मथुरावट में बेरा वाला बांध की सफाई व जंगल संरक्षण हेतु 46 लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई।
- 21.10.05 ग्राम मान्यावास में जोहड़ के पुनर्निर्माण हेतु व जंगल व पर्यावरण संरक्षण हेतु बैठक हुई।
- 22.10.05 कान्यास, कांकवाड़ी में सोगा वाला जोहड़, बाबा वाला बांध के निर्माण हेतु व जल जंगल संरक्षण एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु 30-30 लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई।
- 23.10.05 ग्राम कंराट में 25 लोगों की उपस्थिति में पीपल वाली जोहड़ी और किले नीचे चूरसद बाबा की जोहड़ी के निर्माण हेतु व जंगल संरक्षण हेतु बैठक हुई।
- 24.10.05 ग्राम मथुरावट में पांच गांवों की मीटिंग कालाखेत, मान्यावाल, कासला, कान्यावास और राजौरगढ़ में लगभग 78 लोगों की उपस्थिति में जल व जंगल बचाने हेतु मीटिंग हुई।
- 25.10.05 ग्राम मथुरावट में जल, जंगल व्यवस्था के बारे में 53 लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई।
- 08.12.05 ग्राम राजौरगढ़ में कुबानियां बांध के पुनर्निर्माण हेतु 32 लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई।
- 10.12.05 ग्राम मान्यावाला सभा व जल, जंगल संरक्षण हेतु 22 लोगों की उपस्थिति में कमेटी का गठन।
- 17-18.12.05 ग्राम राजौर में कुमानिया बांध व भवानी वाली नई जोहड़ी के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।
- 25.12.05 ग्राम कान्यावास, काकवाड़ी, मथुरावट, कांसला और राजौरगढ़ में जंगल सुरक्षा के लिए 150 से अधिक लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई।

राजगढ़ क्षेत्र : जहाज वाली नदी का क्षेत्र

- 16.11.05 ग्राम लोसल गुजरान वन सुरक्षा समिति, जोहड़ निर्माण कार्य तथा ग्राम समिति क्षमतावर्द्धन हेतु बैठक।
- 23.11.05 ग्राम सभा राड़ा में जोहड़ निर्माण। पिछले वर्ष किए गए कार्यों का उल्लेख तथा नए कार्यों पर चर्चा की गई।
- 25.11.05 ग्राम जंगल संरक्षण व ग्राम स्वावलम्बन की बैठक में देशी खाद-बीज तथा ग्राम कोष की बातचीत की गई।
- 16.12.05 ग्राम राड़ा में वन सुरक्षा समिति व जोहड़ हेतु बैठक में देवरी गांव के लोगों को समझाने तथा दोषियों को दण्डित करने एवं जंगल सुरक्षा का निर्णय लिया गया।

- 19.12.05 ग्रामसभा व ग्राम स्वावलम्बन की बैठक राड़ा में ग्राम कोष बनाने तथा जोहड़ बनाने की बातचीत हुई।
- 30.12.05 ग्राम कुण्डला में ग्रामसभा व अधूरे जोहड़ों को पूरा कराने तथा शराब-बन्दी व जंगल-सुरक्षा का निर्णय लिया गया।
- 25.11.05 ग्राम जंगल संरक्षण व ग्राम स्वावलम्बन की बैठक में देशी खाद-बीज तथा ग्राम कोष की बातचीत की गई। 19.12.05 ग्राम सभा व ग्राम स्वावलम्बन की बैठक राड़ा में ग्राम कोष बनाने तथा जोहड़ बनाने की बातचीत हुई।

रूपारेल नदीघाटी क्षेत्र -

- 21.2.06 इस वर्ष रूपारेल नदी घाटी क्षेत्र के गांव बैरावास में 45 संभागियों की उपस्थिति में ग्राम सभा में जल संरक्षण चर्चा हुई।
- 24.2.06 इसके अलावा बैरावास में 30 संभागियों की उपस्थिति में जल संरक्षण कार्यों वास्ते साइड की तैयारी की गई।

तरुण भारत संघ के अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ में बातचीत करते हुए वी.डी. शर्मा जी व राजेन्द्र सिंह।

जंगल संरक्षण

ग्रामसभा संगठन सक्रिय करना एवं सक्रियता अभियान

ग्राम सभाओं का गठन -

जंगल से सूखी लकड़ी लाने, अनावश्यक लकड़ियां लाकर इकट्ठा न करें, जंगल से हरी लकड़ी न लाने तथा जरूरत पड़ने पर ही ग्रामसभा की अनुमति लेने पर जंगल से सूखी लकड़ी लाने का अधिकार होगा। ग्रामसभा के बनाए गए नियमों की पालना सभी ग्रामसभा सदस्यों को करनी होगी। नियमों की पालना न करने पर ग्रामसभा दण्डित भी कर सकती है। इस वर्ष जहाजवाली, भागाणी-तिलदेह रूपारेल नदीघाटी क्षेत्र की ग्रामसभाओं को सक्रिय बनाए रखने हेतु इनमें जंगल संरक्षण के हेतु जंगल सुरक्षा समिति नाम से नए संगठन गठित किए गए। ये संगठन हर महीना बैठक करके लोगों के साथ जंगल संबंधित समस्याओं, ग्रामकोष पर बातचीत करते हैं।

ग्रामसभा के गठन की तिथियां :

क्र.सं.	गांव का नाम	दिनांक	संभागी	विवरण
1.	बढ़गी बाघौर	15.2.06	30 ग्रामवासी	जल-जंगल संरक्षण
2.	नुहं नगर	24.2.06	20 ग्रामवासी	” - ”
3.	माषा	08.2.06	25 ग्रामवासी	” - ”
4.	नेणा	12.2.06	20 ग्रामवासी	” - ”
5.	विलासपुर	04.2.06	43 ग्रामवासी	” - ”
6.	खाटी पड़ा	15.2.06	50 ग्रामवासी	जोहड़ निर्माण
7.	मथुरावट	07.3.06	120 ग्रामवासी	” - ”

नदी घाटी क्षेत्र में नवगठित ग्रामसभाएं

जहाजवाली नदी -

1. ग्राम देवरी गुवाड़ा 22 संभागी - जंगल पानी संरक्षण व ग्राम कोष की चर्चा हुई।

भगाणी-तिलदेह

1. ग्राम 32 संभागी - जंगल पानी संरक्षण, पशुपालन, देशी-खाद-बीज पर चर्चा हुई।

रूपारेल

27.1.06	माधोगढ़	30 संभागी	जंगल सुरक्षा समिति की बैठक
10.2.06	रामपुर	40 संभागी	" - "
13.2.06	रामपुर	50 " - "	" - "
15.2.06	नांगलहेड़ी	30 " - "	स्वास्थ्य शिविर
21.2.06	बैरावास	45 " - "	जल संरक्षण वास्ते
22.2.06	कुशलगढ़	100 " - "	जंगल सुरक्षा समिति
24.2.06	बैरावास	30 " - "	जल संरक्षण कार्यों वास्ते साइड की तैयारी

तिजारा क्षेत्र

- हसनपुर महिला समूह बैठक हर माह।
- विलासपुर " - "
- इलियास की ढाणी महिला समूह हर माह।
- मालियर मीटिंग जोहड़ बाबत 29.12.05।
- अबनपुर ग्राम में जोहड़ कार्य पूर्ण, उसमें जल संरक्षण के लिए 7 मीटिंग की।
- 27.12.05 बाघोर में मकोड़ा वाला जोहड़ बाबत मीटिंग।
- बैरिया की ढांणी में महिला समूह की बैठक हर माह।
- पड़ासली में बचत समूह की बैठक।

बानसूर क्षेत्र

- 20.10.05 ग्राम तुलसी वाला बैरावास में बैठक जंगल सुरक्षा समिति के गठन हेतु।
- 24.10.05 ग्राम नांगलहेड़ी पशु चिकित्सा शिविर।
- 05.11.05 भुराला बैरावास पापडी वाला बांध की भराव क्षमता बढ़ाने की बाबत में।
- 21.11.05 ग्राम रहका माला गुलर पीपल वाला बांध को बनाने की बाबत चर्चा ।
- 10.12.05 ढहलावास उमरैण जंगल सुरक्षा समिति की बैठक ।
- 20.12.05 ग्राम दुहार माला जोहड़ निर्माण वास्ते बैठक हुई।
- 25.12.05 ग्राम तोलावास दुहारमाला जंगल सुरक्षा समिति की बैठक हुई।
- 27.12.05 नांगलहेड़ी जोहड़ बनाने की बाबत बैठक हुई।

(ग्रामसभा सम्मेलन)

(1-2 अक्टूबर, 2005) स्थान-तरुण भारत संघ, भीकमपुरा में श्री सिद्धराज ढड्ढा जी की अध्यक्षता में हुआ। इसमें क्षेत्र की ग्रामसभाओं से 476 महिला-पुरुषों ने भाग लिया। सम्मेलन में ग्रामसभा सदस्यों ने अपने गांव में किए गए कार्यों की जानकारी सभी उपस्थित सदस्यों को दी। सम्मेलन में आए बाहर के मेहमानों ने भी सम्बोधत किया जिसमें जी.डी. अग्रवाल, मनोहर सिंह राठौड़, शैलेन्द्र सिंह, विजियन जी, चक्रवर्ती सिंह, राजस्थान पत्रिका अलवर के प्रधान सदस्य, दिल्ली से नीलम गुप्ता और मधु किश्वर मुख्य थे।

2 अक्टूबर के समारोह में जी.डी. अग्रवाल, राजेन्द्र सिंह, कैदार श्रीमाल आये कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के सम्बोधित करते हुए।

ग्राम सभा सम्मेलन में गांव में किए गए अच्छे जल संरक्षण के कार्यों के लिए पांच ग्राम सभा सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। सम्मेलन में नीलम गुप्ता द्वारा तरुण भारत संघ की महिला कार्यकर्ताओं के द्वारा ग्रामीण विकास में किए गए कार्यों के विषय में लिखित पुस्तक 'छोटी दरबी और नर्बदा' का विमोचन श्री सिद्धराज ढड्ढा और जी.डी. अग्रवाल जी ने किया। ग्राम सभा सम्मेलन में 'छोटी दरबी और नर्बदा' को सम्मानित किया और मधु किश्वर व नीलम गुप्ता को भी इस मौके पर सम्मानित किया गया।

दो अक्टूबर, 2005 को संस्था ने इस क्षेत्र में कार्य करते दो दशक होने के अवसर पर तरुण भारत संघ के संस्थापक श्री कृष्णवीर द्रोण को विशेष तौर से आमंत्रित किया था, जिन्होंने ग्राम सभा सम्मेलन में ग्रामवासियों से संस्था के कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की और तरुण भारत संघ द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

ग्रामसभाओं का सम्मान : दो अक्टूबर को ग्रामसभा सम्मेलन में तीन ग्राम सभाओं के द्वारा किए गए जल संरक्षण के अच्छे रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित किया गया। इन तीनों ग्रामसभा सदस्यों ने अपने-अपने गांव में जल, जंगल, जमीन के संरक्षण में पूरा सहयोग किया है।

छात्र प्रतिभाओं को सम्मानित करना : 4-5 सितम्बर को भांवता गांव में 30 सरकारी स्कूलों के बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता रखी गई। बच्चों की भोजन व आवासीय व्यवस्था तो भांवता-कोल्याला गांव ने की और बच्चों के पुरस्कार की व्यवस्था के लिए तरुण भारत संघ से अनुरोध किया। संस्था के अध्यक्ष व महामंत्री ने ग्रामवासियों का अनुरोध स्वीकार किया और 600 बच्चों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

महिला कार्यक्रम

तरुण भारत संघ ने बीती छमाही में महिलाओं के द्वारा किए गए ग्रामीण विकास कार्यक्रम को आगे लाने के लिए दस्तावेजीकरण किया। इसके लिए सुश्री नीलम गुप्ता (जनसत्ता की वरिष्ठ पत्रकार) ने स्वतंत्र रूप से करौली व सवाई माधोपुर क्षेत्र का अध्ययन किया।

तरुण भारत संघ रिवाली केन्द्र पर रहकर गांव की महिलाओं के बीच समय बिताया और जो महसूस किया, वह अपनी कलम से पंक्तिबद्ध किया। उन्होंने कोचर की डांग क्षेत्र रिवाली व बामनवास, सवाईमाधोपुर और करौली में सपोटरा की डांग क्षेत्र में महिलाओं के द्वारा किए गए ग्रामीण विकास के कार्यों को देखा-समझा। महिला कार्यकर्ताओं के अनुभव, कार्य करने का तरीका, सब कुछ अपनी स्वतंत्र दृष्टि से देखा, परखा और 'छोटी दरबी और नर्बदा' पुस्तक के रूप में अपना अध्ययन तरुण भारत संघ को भेजा। संस्था व सभी को यह अध्ययन बहुत अच्छा लगा।

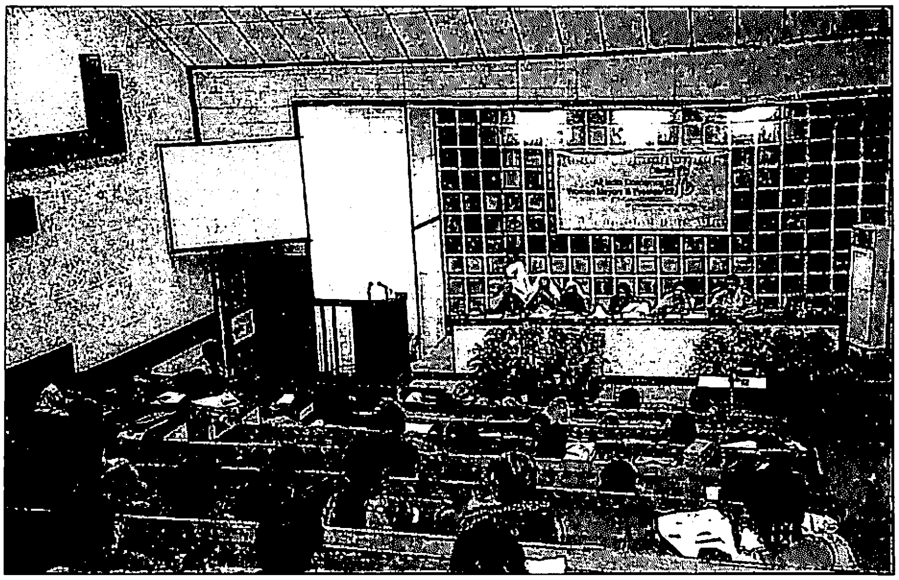

ओजस्वनी पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती छोटीदेवी, दरबी देवी एवं नर्मदा देवी।

यह अध्ययन 'छोटी, दरबी और नर्बदा' के नाम से एक छोटी सी पुस्तक के रूप में माह जून में सामने आया। पुस्तक के कवर पर दरबी का चित्र सहित नदी, खेत, खलियान, पेड़-पौधे सब कुछ सजीव... बहुत ही सादगीपूर्ण एवं सुन्दर हैं। यह पुस्तक अन्दर के पन्नों में बहुत सरल... सहज रूप से महिला सबलीकरण के आयामों को समेटे हुए है। पुस्तक राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित की गई। देश में जहां-जहां राजकमल प्रकाशन की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाता है, उन सभी जगह उपलब्ध है। इस पुस्तक की समीक्षा को पत्र-पत्रिकाओं ने भी प्रकाशित किया। इण्डिया टुडे ने भी अपने विशेष अंक में इस पर छापा है। यह पुस्तक भोपाल में 'ओजस्विनी' पत्रिका के संचालकों ने 'छोटी दरबी और नर्बदा' की नायिकाओं को पुरस्कृत किया। इस संबंध में सभी संस्था कार्यकर्ताओं को मालूम हुआ तो बहुत खुश हुए। 'छोटी दरबी और नर्बदा' भी बहुत खुश हुई और कहा कि वह अब और अधिक मन से कार्य करेगी। 'छोटी दरबी और नर्बदा' को भोपाल में 'ओजस्विनी अलंकरण' पुरस्कार से 16 अक्टूबर, 2005 को मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री बलराम जाखड़ जी ने सम्मानित किया। यह तरुण भारत संघ व कार्यकर्ताओं के लिए तो गौरव की बात है, उससे अधिक उन महिलाओं को भी अवसर मिलेगा जो आगे आना चाहती हैं। परन्तु उन्हें हमेशा समाज का डर बना रहता है, इससे महिला सबलीकरण के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं के आगे आने का अवसर बढ़ेगा।

तरुण भारत संघ ने मुस्लिम समाज की महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सिलाई मशीन दी।

इसके बाद इन महिलाओं को लगा कि अपने गांव में बच्चियों, महिलाओं के लिए पढ़ने-लिखने की सुविधा होना जरूरी है। महिला समूहों ने बच्चियों को, महिलाओं को पढ़ाने तथा उनके लिए सिलाई जैसे छोटे-छोटे कार्य सिखाने के संदर्भ में तभासं को निवेदन किया। तभासं ने निमली, पड़ासली और बिजालहेड़ा आदि गांवों में महिला समूहों के निवेदन पर शिक्षा केन्द्र खोले हैं। इन सभी शिक्षा केन्द्रों में बच्चियों, महिलाओं को पढ़ना-लिखना भी सिखाया जाता है और हर केन्द्र में उनको सिलाई-कढ़ाई सीखने के लिए मशीन दी गई हैं तथा इन केन्द्रों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति महिला समूह द्वारा की गई हैं, जो उसी गांव में रहते भी हैं और पढ़ाते भी हैं। इन सभी केन्द्रों में अभी पड़ासली में 2, निमली में 1 और बिजालहेड़ा में 5 सिलाई मशीन व सामग्री दी गई है।

स्वास्थ्य कार्यक्रम :

जल से संबंधित समस्या के अलावा इस वर्ष में संस्था द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता की दृष्टि से आयुर्वेदिक दवाइयों के उपचार तथा समाज में स्वास्थ्य लाभ देने का शिविरों का आयोजन विभिन्न गांवों में किया गया।

स्वास्थ्य शिविरों का विवरण

क्र.सं.	स्थान	दिनांक	संभागी विवरण
1.	भांवता, थानागाजी, अलवर	8.9.2005	53 मरीजों का उपचार किया गया
2.	श्यालूता, राजगढ़, अलवर	27.9.2005	" - "
3.	गोपालपुरा, थानागाजी, अलवर	7.10.2005	" - "
4.	दुब्बी, बसवा, दौसा		27.10.2005 " - "
5.	भडार, सिकन्दरा, दौसा	25.11.2005	" - "
6.	दारोलाई, जमुवारामगढ़, जयपुर	20.12.2005	" - "

कार्यकर्ता मासिक बैठक

1.	4.12.05 तरुण भारत संघ भीकमपुरा	संभागी	क्षेत्र की कार्य प्रगति की जानकारी
2.	4.01.06 " - "	9	" - " " - "
3.	4.02.06 " - "	10	" - " " - "
4.	4.03.06 " - "	10	" - " " - "
5.	4.04.06 " - "	9	" - " " - "

बैठक विवरण

1. 4 दिसम्बर, 05 को तरुण भारत संघ, भीकमपुरा में कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक हुई जिसमें 'जल बचाओ- जीवन बचाओ' अभियान के अन्तर्गत 17 नवम्बर से 3 दिसम्बर तक जल बचाओ अभियान में राजस्थान-अलवर, जयपुर, सवाई माधोपुर, करौली, कोटा, हरियाणा-हिसार, भिवाड़ी, गुड़गांव, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी आदि क्षेत्रों में की गई यात्रा के अनुभवों पर चर्चा हुई। कार्यकर्ता के सामने आने वाली कठिनाई को सुना और सुझाव दिए। अरवरी नदी क्षेत्र, भगाणी नदी, सरसा नदी रूपारेल नदी आदि क्षेत्रों में जल संरक्षण कार्य करने पर चर्चा हुई। जिन कार्यों की ग्रामसभा में तैयारी थी, उन्हें शुरू किया।

2. 4 जनवरी, 06 को तरुण आश्रम पर कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक हुई। इस बैठक में 1 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक हुए कार्यों की जानकारी दी। छोटेलाल जी ने अरवरी क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। महादेव शर्मा ने जहाज वाली, भगाणी और तिलदेह नदी क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। रूपारेल क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी गई।

3. 4-5 फरवरी, 06 को तरुण भारत संघ, भीकमपुरा में श्री कन्हैयालाल जी की उपस्थिति में बैठक हुई। प्यारेलाल, महादेव, मुरारी लाल शर्मा और हीरालाल गुर्जर ने अपने प्रस्तावित कार्यों की प्रगति से अवगत कराया तथा सन्तपाल वैद्य जी ने स्वास्थ्य कार्यों की जानकारी दी। अपने-अपने क्षेत्र की आवश्यकतानुसार कार्य योजना बनाई गई।

4. 4 मार्च, 06 को तरुण भारत संघ के तत्वावधान में कार्यकर्ता बैठक हुई जिसमें पिछले महीने चल रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई तथा भावी कार्यक्रम तय किए। हीरालाल गुर्जर ने रूपारेल नदी क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी दी और मुरारीलाल शर्मा ने अरवरी क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी दी। महादेव, हनुमान मीणा, वैद्य सन्तपालजी वैद्य, सीताराम सिंह, मुरारीलाल जांगिड़, कन्हैयालाल जी के साथ 5 मार्च को राजेन्द्र सिंह जी ने संस्था की सभी गतिविधियों पर कन्हैयाजी और मुरारीलाल जांगिड़ के साथ चर्चा की। कुछ महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सुझाव दिए। कन्हैयाजी ने क्षेत्र में चल रहे सभी कार्यों को देखा।

सरिस्का संरक्षण कार्यक्रम

सरिस्का से बाघ के विलुप्त होने के कारण सरिस्का संरक्षण संसद को बहुत ही दु:ख है। सरिस्का से बाघ के विलुप्त होने के कारण पूरे देश के वन्य जीवन अभयारण्यों की सुरक्षा पर एक प्रश्न-चिह्न लगाया है। सरिस्का राष्ट्रीय राजधानी से मात्र 120-150 किमी. के बीच में है और राज्य की राजधानी से मात्र 80-100 किमी. के बीच में है। जब यहां यह स्थिति है तो देश के अन्य अभयारण्यों की क्या स्थिति हो सकती है ? यह अपने में एक प्रश्न है, जिसका वन सुरक्षा अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं है। इन सब बातों को देखते हुए सरिस्का संरक्षण संसद के सदस्य चिंतित हैं। सरिस्का संरक्षण की सभी ग्राम सभाओं में निराशा का वातावरण बन गया है। इसके कई कारण हैं :

- राज्य सरकार की सरिस्का के प्रति बढ़ती असमंजसता की स्थिति को देखते हुए सरिस्का के अन्दर बसे गांवों को हटाने के लिए राज्य सरकार की मन:स्थिति का स्पष्ट न होना।
- केन्द्र सरकार द्वारा गठित की गई जांच कमेटी और राज्य सरकार द्वारा गठित की गई जांच कमेटी की रिपोर्ट में किसी प्रकार समानता का न होना।
- सुनीता नारायण की अध्यक्षता में की गई जांच के सुझावों को राज्य सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया।
- सरिस्का में दूसरे अभयारण्यों से बाघ लाकर छोड़ने की खबर समाचार-पत्रों के माध्यम से जनता में दी गई ज़बकि अतिरिक्त बाघ किसी भी अभयारण्य में नहीं है।
- विशेषज्ञों की दृष्टि में अब सरिस्का पूर्ण रूप से असुरक्षित स्थान है। सरिस्का में लम्बे समय तक बाघ विहीन सरिस्का अभयारण्य के अस्तित्व को खतरा पैदा हो गया है।
- सरिस्का संरक्षण के लिए ग्रामीण जनता एवं प्रशासन के साथ पुन: प्रयास करना, जिससे अन्य जीव-जन्तुओं व जंगल को कोई नुकसान न हो।
- खान माफिया एवं राज्य सरकार की पर्यावरण की नीतियों पर नजर रखना। साथ-साथ केन्द्र सरकार द्वारा जारी की गई संरक्षित अभयारण्य की अधिसूचना 7 मई, 1992 की पुन: जिला प्रशासकीय प्रक्रिया में सहयोग करना।

30 जनवरी : को कलेक्टर के चैम्बर में जिलाधीश, जिला वन अधिकारी एवं सहायक उपवन संरक्षक के साथ अरावली के संबंध में की गई बैठक में तभासं के महामंत्री श्री कन्हैयालाल गुर्जर व कोषाध्यक्ष श्री जगदीश जी ने भाग लिया।

4 फरवरी : को ग्राम माण्दलवास 'राजौरगढ़' के जंगल में आग लगने पर गांव वालों को साथ लेकर आग बुझाई तथा वन विभाग, टहला रेंज के कर्मचारियों को इसकी सूचना दी गई।

7 फरवरी : को ग्राम मथुरावट में काण्यावास, कालाखेत, मथुरावट और बलाइयों की ढाणी के लोगों के साथ वन सुरक्षा समिति गठित करके रजिस्ट्रेशन की बातचीत की गई।

9 मार्च : को टहला रेंज की बैठक में क्षेत्रीय वन अधिकारी एवं उपवन संरक्षक के साथ 9 पंचायतों के सरपंच, तभासं के प्रतिनिधि श्री जगदीश जी और महादेव जी शर्मा ने भाग लिया, जिसमें सरिस्का से संबंधित क्षेत्रीय ग्राम स्तर से जुड़ी समस्याओं पर विचार किया गया। गांव से किस प्रकार अधिक से अधिक जुड़ा जाए... जैसे मुद्दों पर विचार किया गया।

ग्राम सभाओं - वन सुरक्षा समितियों की बैठकें :

22.4.05	रामपुर	-	जंगल सुरक्षा में लोगों की भागीदारी बढ़ाना।
1.5.05	गुढ़ा	-	बंजनीबाट के एनिकट निर्माण कार्य वास्ते।
27.5.05	राडा	-	जंगल संरक्षण व रचनात्मक कार्यों की समीक्षा।
7.6.05	रहका माला	-	लोगों को पशुधन विकास हेतु जागृत करना व उन्नत नस्ल के पशु संवर्धन तथा टीकाकरण वास्ते समझाना।
13.6.05	राडा नाडू	-	पशुओं में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम हेतु पशुओं में टीकाकरण करवाने की सलाह व दुग्ध उत्पादन हेतु उन्नत नस्ल के पशुओं के चयन व संवर्द्धन हेतु।
24.6.05	लांकास	-	लांकास बांध निर्माण कार्य वास्ते।

गांव सेवा का गुवाड़ा में वन विकास पर बातचीत करते हुए ग्रामवासी।

शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम

तरुण जल विद्यापीठ

तरुण जल विद्यापीठ में प्रशिक्षण की प्रक्रिया 1 जुलाई से शुरू की गई। विभिन्न प्रान्तों के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित हैं। 20 छात्रों के लिए नियमित विभिन्न विषयों पर अध्ययन प्रक्रिया चालू की गई तथा पाठ्यक्रम भी तैयार किया। विभिन्न विषयों के विद्वानों द्वारा छात्रों को शिक्षण-प्रशिक्षण दिया गया।

जुलाई, 2005 से मार्च, 2006 तक दो सत्रों में 30 छात्रों को जल संरक्षण के विषय में प्रशिक्षण दिया।

क्र.सं.	संदर्भ व्यक्ति का नाम	दिनांक	विषय
1.	श्रीमती क्लेयर	11 जून	मिट्टी के विषय में जानकारी
2.	श्री विवेक उमराव (इंजीनियर)	18 जून	पानी की रासायनिक गुण प्रक्रिया
3.	श्री राजेन्द्र सिंह	1 जुलाई	तरुण जल विद्यापीठ की जानकारी दी तथा छात्रों की चयन प्रक्रिया पूरी की।
4.	श्री वी.डी. शर्मा पूर्व वन्य जीव संरक्षक (राजस्थान)	4 जुलाई	जंगल संरक्षण प्रक्रिया
5.	प्रो. आर.के. शर्मा	4 जुलाई	पौराणिक ज्ञान से आधुनिक ज्ञान और विकास श्रीनाथ पूषा वि.वि. दिल्ली

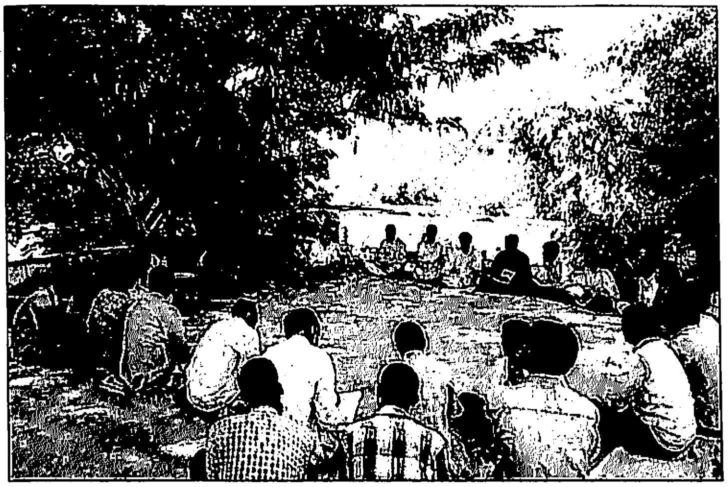

तरुण विद्यापीठ के छात्रों को दस्तावेजीकरण का प्रशिक्षण देते हुए दिल्ली के दुष्यन्त एवं अमन नम्र।

तरुण जल विद्यापीठ के छात्रों को जल संबंधित जानकारी देत हुए डॉ. जी.डी. अग्रवाल।

6.	अरुण श्रीवास्तव कृषि वैज्ञानिक	7 जुलाई	प्राकृतिक स्रोतों का ह्रास के कारण पर चर्चा
7.	श्री अम्बरीश जी	8 जुलाई (आई.ए.एस.)	गांधी जी के जीवन-मूल्यों पर चर्चा, नदी जोड़ परियोजना के वैश्वीकरण के दुष्प्रभाव
8.	श्री विष्णु शर्मा	20 जुलाई	पानी की समस्या के विषय में विस्तार से बताया
9.	श्री आर.के. भट्ट	20 जुलाई	प्राचीन समय से ही पानी को जीवन के लिए संरक्षित करना
10.	श्री महेन्द्र मेहता जी	09 जुलाई	कार्यकर्ता के जीवन में श्रम दान का महत्व
11.	श्री सुरेश गुप्ता	18 जुलाई	जल संरक्षण एवं प्रबन्धन का महत्व
12.	श्री वरुण आर्य - (अरावली प्रबन्धन संस्थान, जोधपुर)	29 जुलाई	सामाजिक कार्यकर्ता के व्यावहारिक गुण
13.	श्रीमती समीता पाण्डेय (आई.आर.एम., आणन्द)	2 अगस्त	पानी के प्रबन्धन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना।
14.	श्री राजेश योगी	09 अगस्त	योग का जीवन में महत्व
15.	कुमारी विधि शर्मा	जुलाई-अग.	जल संरक्षण की तकनीकी विधियां
16.	श्री सुन्दरलाल बहुगुणा, विमला बहुगुणा	8-9 अगस्त	ग्रामीण स्वराज एवं शासन व्यवस्था
17.	श्री सिद्धराज ढढ्ढा	09 अगस्त	ग्रामीण पोषण एवं औद्योगीकरण के दुष्परिणाम
18.	श्री जी.डी. अग्रवाल	”	पानी और खेती के संबंध एवं स्वावलम्बन
19.	श्री सिद्धराज ढढ्ढा जी	1-3 अक्टू.	गांधी-विचार की प्रासंगिकता पर चर्चाएँ
20.	श्री विवेक उमराव (इंजीनियर)	1 से 5 अक्टू.	भौतिक विज्ञान की जानकारी
21.	श्रीमती क्लेयर (आस्ट्रेलिया)		पानी व मिट्टी का दर्शन
22.	श्री जी.डी. अग्रवाल (चित्रकूट)	1 से 4 अक्टू.	गांव में जल प्रबन्धन की आवश्यकता
23.	डा. विजीयम जी (कर्नाटक)	1 से 5 अक्टू.	गांधी विचार
24.	डा. अभय बंग (महाराष्ट्र)	3-4 अक्टू.	स्वास्थ्य व स्वराज
25.	श्री सुरेश रैकवार (बांदा)	2-3 अक्टू.	स्वयं के अनुभव
26.	श्री लक्ष्मण सिंह (दूदू)	3 अक्टू.,	पानी के परम्परागत स्रोत
27.	श्री अनुपम मिश्र (गांधी शांति प्रतिष्ठान, दिल्ली)	4 से 5 अक्टू.	भारत के परम्परागत जल स्रोत

28.	श्री अरुण तिवारी, दिल्ली	12 से 22 अक्टू.	नदी जोड़ परियोजना
29.	श्री वरुण आर्य, जोधपुर (अरावली प्रबन्धन संस्थान)	24 से 27 अक्टू.	”
30.	श्री श्याम धारे	”	जैव विविधता
31.	श्री आनन्द जी	”	”
32.	श्री श्रीपाद धर्माधिकारी	13 से 15 नव. 05	पानी का निजीकरण
33.	श्री अमननम्र कुमार पंकज, दुष्यंत (पत्रकार, दिल्ली)	18 से 20 नव. 05	लेखन प्रशिक्षण कार्यशाला
34.	श्री जया मित्रा (बंगाल)	3 से 12 दिस. 05	पश्चिमी बंगाल में पानी की स्थिति व हिमालय की नदियां
35.	डॉ. शीला डागा (शिक्षाविद्, नोएडा)	1 अक्टू. से 12 दिस.	लेखन
36.	प्रो. सिद्दीकी	24 से 25 दिस.	फिजिक्स
37.	श्री एन.के. गुप्ता	”	वायु प्रदूषण
38.	श्री सी.वी. सिंह (हरियाणा)	25 दिस. 2005	पारिस्थितिकी
39.	श्री पी.के. खरे	”	नगदी फसलें
40.	श्री के. एन. जोशी	24 दिस.	उपग्रह संबंधी अध्ययन
41.	श्री एस.के. लुंकड़ (कुरुक्षेत्र वि.वि.)	25-30 दिस., 05	भू-जल विज्ञान व भू-सांस्कृतिक क्षेत्र
42.	श्री राजेन्द्र सिंह - (तभासं)	अक्टू. से दिसम्बर	जल संरक्षण की विस्तृत जानकारी
43.	श्री कन्हैयालाल गुर्जर (तभासं.)	”	ग्राम सभा संगठन की जानकारी
44.	श्री गोपाल सिंह (तभासं)	”	जल संरक्षण की तकनीकी जानकारी

जल विद्यापीठ में दो महीने का एक छोटा कोर्स चालू करने की शुरुआत - जनवरी में यह महसूस किया गया कि तरुण जल विद्यापीठ के पुराने छात्र अपने निवास स्थानों को चले जाते हैं तो कुछ समय बचता है। दो माह या एक माह के लिए कोई ऐसा कोर्स हो, जिसमें ग्रामीण विकास से संबंधित जानकारी दी जा सके। इसके लिए 15 फरवरी से 15 अप्रेल तक का समय निश्चय कर, इच्छुक जनों की जानकारी के लिए इन्टरनेट पर आवेदन के लिए जानकारी दी तथा जो इस प्रकार के कोर्स को करना चाहते थे, उनको टेलीफोन द्वारा, ई-मेल द्वारा सूचित किया गया। 10 फरवरी को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। आये अभ्यर्थियों में से आठ को चुना।

नए बैच के प्रशिक्षण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका गोपाल सिंह और कन्हैया जी की रही है। साथ ही साथ अन्य संदर्भ व्यक्तियों जगदीश जी, राजेन्द्र सिंह जी, प्रो. सिद्दिकी जी का सहयोग रहा है।

तरुण जल विद्यापीठ के लिए भूमि व भवन :

इस वर्ष में तरुण जल विद्यापीठ के लिए तिजारा तहसील में जमीन खरीदी गई और भवन निर्माण का कार्य आरंभ किया गया। तरुण भारत संघ के कार्यालय में भी आवश्यकतानुसार बिल्डिंग निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, जिससे आने वाले छात्रों व विजिटरों को शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए कोई परेशानी न हो।

तरुण जल विद्यापीठ के छात्रों का शैक्षिक भ्रमण - 1 जनवरी से 17 मार्च तक

क्र.सं.	दिनांक		स्थान	विवरण
1.	30.1.06	3.2.06	मेवाड़ क्षेत्र	आदिवासी समाज की जीवन शैली
2.	31.1.06	4.2.06	ढूंढाड क्षेत्र	ग्रामीण समाज में जल प्रबन्धन
3.	17.2.06	” - ”		” - ”
4.	10.3.06		दिल्ली	शहरी जीवन शैली और व्यस्तता

विवरण :

शैक्षिक भ्रमण के दौरान तरुण जल विद्यापीठ के छात्रों को राजस्थान के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों का भ्रमण कराया जिससे छात्रों को भिन्न-भिन्न जगह जल संरक्षण की परम्परागत पद्धति को देखना और उसी की आज के समय में उपयोगिता को समझना था। विभिन्न तिथियों में शैक्षिक भ्रमण किए गए।

1. **30.01.06 से 3.2.06** तक उदयपुर-झाड़ोल फलान के आदिवासी क्षेत्र में कार्यरत 'अंकुर' संस्था के साथ वहां की सामाजिक जीवन शैली, रहन-सहन की परम्परा, रीति-रिवाज, प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर विकट परिस्थितियों में जीते समाज को देखा-समझा। इस समूह में मुरारी लाल जांगिड़, कैलाश जैमन, मनोज खटीक, अमोल, कुलदीप, रामनरेश और संग्राम सिंह रहे। भ्रमण के दौरान जयपुर में जयगढ़, तारामण्डल विज्ञान संग्रहालय, अजमेर ख्वाजा साहब, पुष्कर, झीलों की नगरी उदयपुर के प्राकृतिक स्थल, धार्मिक स्थल नाथद्वारा, ऐतिहासिक स्थल उदयपुर किला भी देखा।

2. **31.1.06 से 4.2.06 :** तक गोपाल सिंह, कन्हैयालाल गुर्जर, इतु, यामिनी, राजेश, करणपाल और विकास के साथ राजस्थान के ढूंढाढ़ क्षेत्र के जयपुर, अजमेर, टोंक की संस्थाओं द्वारा किए जा रहे जल-संरक्षण के कार्यों को देखा। गांववासियों के साथ बातचीत की। अजमेर, जयपुर के प्राकृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल पुष्कर, ख्वाजा साहिब, जयगढ़ और गलताजी आदि देखे। बिड़ला विज्ञान संग्रहालय को देखा।

3. **10.3.06 :** एक दिवसीय यात्रा जल विद्यापीठ के छात्रों को गांव के प्राकृतिक वातावरण में जीवन जीते लोग और शहरों की व्यस्त ज़िन्दगी में जीवन जीते लोगों को दिल्ली के भ्रमण के दौरान छात्रों ने अनुभव किया। सभी छात्र देश के दूरदराज के गांव के छात्र थे। इन्होंने पहली बार दिल्ली देखी थी। वहां का यातायात वाहनों को दौड़ते देख, जीवन की व्यस्तता में व्यस्त आदमी। सभी छात्रों को आश्चर्य हो रहा था और अच्छा भी लगा। भ्रमण काल में कुछ ऐतिहासिक स्थल देखे; जहां लोगों की भीड़ तो थी, पर भागदौड़ नहीं थी। हवा भी शुद्ध थी। शाम को दिल्ली की यादें लेकर सभी लौट आए।

4. **17.3.06 :** को गोपाल सिंह के साथ 10 छात्रों का ग्रुप एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर जयपुर और टोंक में हो रहे जल संरक्षण के कार्यों को देखने-समझने के लिए गया। इस ग्रुप ने भ्रमण के दौरान पुरानी, नई व निर्माणाधीन जल संरचनाओं को देखा और गांव की सहभागिता को भी समझा। लोगों से जल संरक्षण के विषय में जानकारी की।

तरुण जल विद्यापीठ

(प्रो. जी.डी. अग्रवाल, पूर्व विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग), आई.आई.टी., कानपुर एवं श्री राजेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, तभासं के दिशा-निर्देशन में तरुण भारत संघ के अनुभवी हाथों द्वारा संचालित)

जलकर्मी प्रमाणपत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

समयावधि - 15 फरवरी से 15 अप्रेल, 2006

माध्यम : हिन्दी

40 दिन

1. जल के मूल सिद्धान्त
2. पारम्परिक जल संरचना अभियांत्रिकी

20 दिन

1. सामाजिक अभियांत्रिकी
2. जल के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

योग्यता : गणित विषय सहित दसवीं कक्षा उत्तीर्ण तथा समाज के लिए संपर्क की तड़प। साक्षात्कार में श्रेष्ठता के आधार पर जरूरतमंद अभ्यर्थियों को सीमित संख्या में रियायती शुल्क का प्रावधान है।

आवेदन कैसे करें : एक सादे पन्ने पर अपना जीवन वृत्त हमारे निम्नलिखित पते पर तत्काल भेजें -

पाठ्यक्रम समन्वयक : तरुण जल विद्यापीठ 34/47, किरण पथ, मानसरोवर, जयपुर-302 020, राजस्थान, फोन नं. 0141-2393178, ई-मेल पता : watermantbs@yahoo.com

ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में निम्न जानकारी अवश्य दर्ज हो :

1. शिक्षा एवं कार्यानुभव संबंधी दस्तावेज।
2. पारिवारिक पृष्ठभूमि।
3. सम्पर्क फोन नं. अथवा ई-मेल।
4. प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग कहां और कैसे करेंगे ? इसकी जानकारी अधिकतम सौ शब्दों में प्रेषित करें।
5. संस्थान/विभाग/व्यक्तिगत स्तर पर प्रायोजित उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र के साथ संबंधित प्रायोजक की ओर से इस आशय का अधिकृत पत्र अवश्य संलग्न होना चाहिए।

आवेदन पहुंचने की अन्तिम तिथि : 31 जनवरी, 2006

साक्षात्कार की तिथि : 12 फरवरी, 2006

साक्षात्कार का स्थान : तरुण आश्रम, भीकमपुरा-किशोरी, वाया-थानागाजी, जिला-अलवर, राजस्थान पिन-301 022

+ सीमित संख्या में ही प्रवेश दिया जाएगा।
+ उम्मीदवारों की **श्रेष्ठता** ही विशुद्ध रूप से चयन का आधार होगी।
+ प्राप्त आवेदनों में से प्रथम दृष्टि में चयनित उम्मीदवारों को ही साक्षात्कार हेतु बुलाया जाएगा।
+ अतिरिक्त पूछताछ के लिए हमारे पाठ्यक्रम समन्वयक से संपर्क करें।

ग्रामसभा संगठनों को सक्रिय करना

संस्थाओं के साथ सहयोग :

इस वर्ष तरुण भारत संघ ने सोनिया फाउण्डेशन के आर्थिक सहयोग से राजस्थान के जिला अजमेर, ग्राम तिलोनिया में कार्य किया है। परियोजना के अंतर्गत तीन स्तरों पर कार्य किए गए हैं:

1. जल जागृति अभियान।
2. क्षेत्रीय स्वैच्छिक संस्थाओं की क्षेत्र में पहचान एवं कार्यकुशलता बढ़ाना।
3. जन सहयोग से जल संरक्षण के रचनात्मक कार्यों को बढ़ावा देना।

इन सब कार्यों में संस्था ने क्षेत्रीय जन विकास संस्थान, तिलोनिया के माध्यम से परियोजना के कार्य कुशलतापूर्वक सम्पन्न किए हैं।

1. जल जागृति अभियान

के तहत तरुण भारत संघ ने जन विकास के माध्यम अप्रैल से जून, 2005 तक अजमेर की किशनगढ़ और रूपनगढ़ तहसील में जल संरक्षण व जल संवर्द्धन के अभियान चलाए, जन-जन तक पहुंचने के लिए पदयात्राओं के द्वारा अभियान को 50 गांवों में पहुंचाया गया। जल जागृति के मुख्य उद्देश्य निम्नवत् थे :

1. घटते भूजल की समस्या और सामाजिक दायित्व।
2. जल संरक्षण में समाज की सहभागिता को बढ़ाना।
3. जल के मालिकाना हक के लिए समाज को तैयार करना ।

उक्त मुद्दों के साथ समाज में 1 मई, 2005 से 6 जून, 2005 तक पदयात्रा कार्यक्रम रखा गया जिसमें स्कूल, गांव, ढाणी, कस्बे में जल जागृति के लिए बैठकें, चर्चाएं और नुक्कड़ नाटक, पर्चे, पोस्टर बांटे गए थे। सात जून को तिलोनिया में एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें क्षेत्र के 500 से अधिक ग्रामीण लोग सम्मिलित हुए। सम्मेलन में 20 ग्राम पंचायत स्तर के सरपंच और तहसील स्तर के चुने हुए विधायक प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। सम्मेलन में तभासं के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, कार्यकर्ता और विकास अध्ययन संस्थान से प्रो. एम.एस. राठौड़ भी सम्मिलित हुए, उन्होंने मुख्य रूप से सम्मेलन को संबोधित किया।

जलाभिषेक समारोह :

1. तिलोनियां ग्राम सदस्यों और आस-पास के सदस्यों ने तरुण भारत संघ के सहयोग से गोचर भूमि में एक एनीकट बनाया था। बनने के बाद पहले मानसून 2005 में उसमें पानी आया। गांव के श्रम प्रतिफल के रूप में एनीकट ज़लग्रहण क्षेत्र में बरसाती बूंदों से एकत्रित होती जल राशि को लोगों ने पहली बार देखा तो हर्षित हुए, उत्साहित भी और उनमें आत्मविश्वास भी आया। जल की बूंदों की चमक लोगों के चेहरे की चमक बन गई। उस चमक को किसको और कैसे दिखाएं ? एक सवाल सामने आया। इसके लिए अनुपम मिश्र और राजेन्द्र सिंह के नाम पर सभी की सहमति बनी कि हम अपने कार्य को इन्हीं दो व्यक्तियों को दिखाएंगे। उनसे समय मांगा, लेकिन दोनों के पास समय का अभाव रहा। मानसून समय भी निकल गया और शरद ऋतु भी, लोगों का निवेदन और सम्पर्क दोनों से बराबर बना रहा। आखिरकार

शीतऋतु में 12 दिसम्बर निश्चिय हुआ। तिलोनियां में 12 दिसम्बर की तैयारियां की जाने लगीं। एक उत्सव के रूप में उस दिन भारतीय जल दर्शन की सदियों-सदियों पुरानी संस्कृति को संजोए ग्रामीणों ने जलाभिषेक की पूरी तैयारी कर ली।

12 दिसम्बर के समारोह में शामिल होने के लिए 11 दिसम्बर को ही अनुपम मिश्र दिल्ली से और बसन्त भाई बिहार से आए एवं राजेन्द्र सिंह से जयपुर में मिले और 12 दिसम्बर को लगभग 11 बजे तिलोनियां पहुंचे। ग्रामीणजन अपनी पूरी तैयारी में लगे थे। इन्हें देख कर लोगों के चेहरों की चमक पानी की चमक से भी अधिक दिखाई दे रही थी। समारोह का शुभारंभ शंख ध्वनि से हुआ। जलाभिषेक के लिए गांव के एक साथ इक्यावन दम्पती अपने हाथों में पूजा थाल लिए हुए, एक कतार में जल के किनारे खड़े थे। ऐसा लग रहा था कि काशी का जग प्रसिद्ध गंगा घाट हो। सभी ने एक साथ फूल-माला, दीपक, अक्षत आदि से जल का पूजन किया। पूजन के बाद ग्रामीणों ने उत्साहित मन से समारोह में अपनी बात रखी। ग्रामीणों के परिश्रम से रजत बूंदों के लेखक पर्यावरणविद् अनुपम मिश्र ने सभी उपस्थित जनों की प्रशंसा की। राजेन्द्र सिंह जी ने भी इस कार्य को सराहा। गांव वालों ने गोचर भूमि में दो एनीकट और बनाने की मनसा जाहिर की तो राजेन्द्र सिंह और अनुपम मिश्र ने तभासं के सहयोग से कराने का आश्वसान दिया।

2. **क्षेत्रीय स्वैच्छिक संस्थाओं की क्षेत्र में पहचान एवं कार्यकुशलता बढ़ाना**

क्षेत्रीय संस्था के संचालकों एवं कार्यकर्ताओं को समय-समय पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया। जिससे समाज में जल के प्रति बदलता दृष्टिकोण, बढ़ता जल का व्यापार, जल की समस्या और समाधान, जल के संबंध में गांव के नियम-दस्तूर, राज्य की जल नीति, केन्द्रीय जल नीति तथा देश-दुनिया में जल के प्रति सरकारी और गैर सरकारी विचारधाराओं की परिस्थितियों से अवगत कराया। तकनीकी जानकारी के लिए एवं जल चेतना के संबंध में शिक्षण-प्रशिक्षण दिए गए।

3. **जन सहयोग से जल संरक्षण के रचनात्मक कार्यों को बढ़ावा देना**

12 दिसम्बर, 2005 को जलाभिषेक कार्यक्रम में गोचर भूमि जोहड़ बनाने का प्रस्ताव ग्राम सभा ने किया था। इसके लिए सभी ग्रामवासियों ने अपने-अपने स्तर से तैयारी शुरू की, सभी ने चंदा इकट्ठा किया। माह फ़रवरी में तभासं के कार्यकर्ताओं ने जगह देख के कार्य शुरू करा दिया। अब जोहड़ बनकर तैयार हो गया है।

सोनिया फाउण्डेशन के आर्थिक सहयोग से तिलोनियां गांव की गोचर भूमि में गांव वालों ने अपने परिश्रम द्वारा जल संरक्षण का कार्य किया।

फोर्ड फाउण्डेशन अमेरिका से तरुण भारत संघ को वर्ष 2002 में 3,00,000 डालर की इन्डोरमेण्ट फण्ड राशि मिली थी; जिसे दी बैंक ऑफ राजस्थान लि. जवाहर नगर, जयपुर ब्रांच में फिक्स डिपोजिट में जमा किया था। जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज में से 33 प्रतिशत राशि बैंक में फिक्स डिपोजिट कराई जाती रही है। 6 प्रतिशत राशि से जल के प्रति जागरूकता, कार्यकर्ता की कार्यकुशलता एवं जल संरक्षण के विकास कार्य भी किए गए हैं। इस वर्ष बैंक से कुल ब्याज रु. 10,07,125.00 प्राप्त हुआ, जिससे निम्नवत् कार्य किए गए हैं।

वर्ष 2005-2006 में संस्था तभासं ने मेवाड़ रीजन में उदयपुर की तहसील झाड़ौल फालना में 'अंकुर' संस्था और तहसील गिर्वा गांव धार में उबेश्वर विकास संस्था के 17 गांवों में जन जागृति व रचनात्मक कार्य किए। अलवर में जल पैरवी और युवा पीढ़ी को प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई।

मेवाड़ क्षेत्र

उबेश्वर विकास मण्डल ने जाजम की संस्कृति को मजबूत करने के उद्देश्य से प्राथमिक स्तर पर 14 गांवों को लिया।

प्रत्येक गांव में हक-अधिकार-जिम्मेदारी विषय को लेकर शिविरों की माह दिसम्बर, 2005 से शुरुआत की गई है। इन गांवों में जाजम की तारीखें निश्चित की गईं तथा हक-अधिकार-जिम्मेदारी को लेकर काफी गहन चर्चा व निर्णय लिए गए। प्रत्येक गांव द्वारा बैठक की तारीखें व लोगों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है -

क्र. सं.	**गांव का नाम**	**दिनांक**	**संभागी**	**विषय**
1.	शंकर खेड़ा	15	65	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
2.	डोडावली	17	65	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
3.	पिपलिया	5	69	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
4.	कुण्डाल	30	38	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
5.	गेहलोतों का वास	15	65	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
6.	बडंगा	15	35	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
7.	केली	13	50	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
8.	पाटिया	25	71	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
9.	मजमा	30	73	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
10.	घाटा	11	54	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
11.	बगडुन्दा का खेड़ा	6	70	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
12.	रेबाड़ियों का खेड़ा	10	41	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
13.	मोडवा	18	31	हक-अधिकार-जिम्मेदारी
14.	कुण्ड	15	51	हक-अधिकार-जिम्मेदारी

उक्त गांवों में मण्डल सदस्य कार्यकर्ता द्वारा गांव की जाजम तैयार की गई एवं हक संबंधित प्रशिक्षण शिविर पिछले 4 महीनों में बराबर किए गए हैं। इन शिविरों में लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया एवं जाजम पर अपनी बात खुलकर रखी है। इसके साथ ही लोगों द्वारा पानी की उपयोगिता एवं मांग पर भी काफी विचार सामने आए हैं।

संस्थागत : मण्डल द्वारा गांव के हक-अधिकार व जिम्मेदारी विषय को लेकर प्रतिमाह 9 तारीख को सदस्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण पिछले तीन महीनों में निश्चित किया गया। इस प्रशिक्षण में हक-अधिकार विषय से संबंधित प्रशिक्षण को भी इसमें हर माह शामिल किया जाता है। इसके साथ ही प्रतिमाह 28 तारीख को समीक्षा बैठक एवं अग्रिम कार्यक्रम को निर्धारित किया जाना भी निश्चित किया गया है।

क्षेत्रीय स्तर : मण्डल के दोनों प्रशिक्षण केन्द्रों पर आस-पास के गांवों का प्रतिमाह प्रगति के संदर्भ में 17 धार प्रशिक्षण केन्द्र पर अगुवाओं की बैठक रखी जाती है। इसके साथ बगडुन्दा प्रशिक्षण केन्द्र पर यह बैठक 19 तारीख प्रतिमाह आयोजित होती है। प्रशिक्षण में हक-अधिकार विषय पर पिछले महीने हुई प्रगति पर गांव के अगुवा अपनी रिपोर्ट करते हैं। इसके साथ ही समस्याओं को भी सामने रखते हैं तथा अगले माह के कार्यक्रम के संदर्भ में चर्चा मुख्य रहती है। गांव की रिपोर्ट में यदि बात छूट जाती है तो संबंधित सदस्य कार्यकर्ता अपनी रिपोर्ट रखते हैं। इस प्रकार की व्यवस्था निश्चित हुई है।

सर्वेक्षण : मण्डल द्वारा शिविरों के आयोजन के दौरान आई बात के अनुसार माह दिसम्बर, 2005 में हक अधिकार विषय संदर्भ में प्रत्येक परिवार की जानकारी के संदर्भ में एक सर्वे पत्र तैयार किया गया, जिसमें 14 बिन्दुओं पर प्रति परिवार की जानकारी दी गई।

यह सर्वे का कार्य जनवरी से मार्च तक पूरा हुआ। इसी सर्वे में मण्डल सदस्य कार्यकर्ता तथा गांव स्तर पर अगुवा लोगों ने इसे हर घर जाकर संबंधित मुखिया से जानकारी ली गईहै । इसी सर्वे के द्वारा प्रत्येक परिवार के हक अधिकार की बात को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। अब इस पर कार्य जारी है।

उबेश्वर क्षेत्र में लोक हक-जिम्मेदारी समारोह

मण्डल द्वारा हक-अधिकार जिम्मेदारी के लिए लोगों में जागृति एवं इस विचार को आगे बढ़ाने के लिए दोनों क्षेत्रों के आस-पास के गांवों का एक बड़ा समारोह दिनांक 22.1.2006 को उबेश्वर महादेव स्थान पर आयोजित किया गया। समारोह में राजेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, तरुण भारत संघ ने पानी की विकट समस्या पर अपने अनुभव से अवगत कराया। समारोह में उदयपुर की विभिन्न स्वैच्छिक संस्थाओं ने भागीदारी निभाई। आस-पास के गांवों के जन प्रतिनिधि, पंच-सरपंचों ने भी इसमें पूर्ण सहयोग प्रदान किया। आस-पास के करीब 25 गांवों के 2000 महिला-पुरुषों ने इस समारोह में भाग लिया।

समारोह में लोक हक-जिम्मेदारी पर प्रतिनिधियों ने हमारे जल, जंगल, जमीन का संरक्षण एवं विकास संभव होना बताया एवं पंच-सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों ने हक अधिकार जिम्मेदारी के लिए पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया और गांवों में लोगों के हक के प्रति और जागृति पर सहमति व्यक्त की।

जल संरक्षण एवं सामुदायिक प्रबन्धन के लिए तैयारी

जनवरी से मार्च तक तीन महीनों से मण्डल द्वारा लोक हकदारी जिम्मेदारी का कार्य करते हुए गांवों में जल संरक्षण के बारे में गहन चर्चा चलीं। और गांवों से हुई चर्चा के अनुसार पहाड़ी क्षेत्र में गरीब आदिवासी जनता के सहयोग से जल संरक्षण के कार्य करने का संकल्प लिया गया। जल प्रबन्धन के व्यक्तिगत, सामुदायिक और व्यवस्थागत पक्षों के समन्वयक के बारे में निर्णय कर सके। प्रशिक्षण की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए मई माह में तरुण भारत संघ, भीकमपुरा जाने का कार्यक्रम बनाया और वहां से कुछ सीख-समझ कर कार्य करना तय हुआ।

अंकुर संस्थान

झाड़ौल में गत वर्ष 2004-2005 में तभासं द्वारा आदिवासियों के साथ किए गए कार्यों के अनुभव ने ग्रामीणों की सहभागिता और प्राकृतिक जीवन-पद्धति में और अधिक समझ के साथ कार्य करते हुए अच्छा लगा। इस वर्ष भी तभासं ने अंकुर के साथ मिलकर आदिवासियों, जन समुदाय के सहयोग से तीन गांवों में जल संरक्षण के कार्य किए हैं।

उक्त तीनों कार्य जन समुदाय के सहयोग से किए गए। इन कार्यों को कराने के लिए क्षेत्रीय संस्था अंकुर के कार्यकर्ताओं को जल संरक्षण का प्रशिक्षण तथा समय-समय पर तभासं के प्रतिनिधियों द्वारा मार्गदर्शन किया गया जिससे गांव में जाकर आदिवासियों की समस्याओं का समाधान करने में सहयोग मिला है।

अतिथि

वर्ष 2005-06 तक आने वाले देश-विदेश के अतिथियों में समाज के विभिन्न वर्गों से किसान, अध्यापक, प्रोफेसर, विद्वान, विशेषज्ञ, वकील, पत्रकार, तकनीकी विशेषज्ञ, शोधकर्ता, बैंक अधिकारी, सरकारी विभागों से संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, राजनीतिक जन प्रतिनिधि, सरकारी-गैर सरकारी संस्थानों के विद्यार्थियों को तभासं द्वारा किए जा रहे सामाजिक सहभागिता से जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास के काम की जानकारी दीऔर विभिन्न संस्थानों से आने वाले विद्यार्थियों को ग्रामीण विकास के विषय में जानकारी व प्रशिक्षण दिया।

सीडा, स्वीडन एम्बेसी से आए अतिथि

3-4 मार्च, 2006 में सीडा स्वीडन से एक टीम आई थी। जिसमें वेंट एखोमस, (संसद सदस्य, स्वीडन सरकार) सुश्री चारलोटा एरिक्स (सह-निदेशक) यासमिन (प्रोग्राम ऑफिसर) और श्री अली स्वीडन दूतावास से आदि ने तभासं द्वारा कराए जा रहे जल संरक्षण के कार्यों को देखा और ग्रामीणों के साथ बातचीत की। दिनांक 3 मार्च को यह टीम सरिस्का पैलेस में पहुंच गई। वहां पर श्री कन्हैयालाल गुर्जर, जगदीश गुर्जर, अर्जुन गुर्जर, धरमवीर और राजनारायण आदि ने स्वागत किया तथा क्षेत्र निरीक्षण का कार्यक्रम बनाया। श्री कन्हैयालाल गुर्जर ने तरुण भारत संघ के कार्य के बारे में अवगत कराया। दूसरे दिन सरिस्का में तरुण भारत संघ द्वारा किए गए जल संरक्षण के कार्यों का निरीक्षण करके पाण्डुपोल गए। सरिस्का के बाद टीम का सांवत्सर गांव में अरवरी संसद के सदस्यों ने स्वागत किया। उन्होंने गांव के सहयोग से किए गए तभासं के जल संरक्षण के कार्य का निरीक्षण किया। जल संरक्षण कार्य में गांव का सहयोग तथा कुल लागत के बारे में लोगों के साथ चर्चा की। इसके अलावा गांव के लोगों ने जल संरक्षण कार्य का महत्व समझाया। गांव के सहयोग से किए गए जल संरक्षण कार्य को देखकर और उसका महत्व जानकर उनको बहुत अच्छा लगा। उन्होंने स्वीडन में पानी की स्थिति क्या है? इस पर अपने विचार, अनुभवों को लोगों के सामने रखा। उनसे मिलकर गांव के लोगों को बहुत अच्छा लगा।

सीडा के प्रतिनिधियों ने तरुण भारत संघ के कार्यों का अवलोकन किया एवं ग्रामीणजनों के साथ बातचीत की।

आने वाले भारतीय-विदेशी मेहमानों की सूची निम्नवत् है :

स्वैच्छिक संस्थानों से आए अतिथिगण

क्र.	दिनांक	नाम	स्थान	राज्य/देश
1.	03.04.05	संस्था प्रतिनिधि	बसन्त कुंज	नई दिल्ली
2.	05.04.05	श्री राजेन्द्र पवार	कृषि विकास एवं प्रयोग, पूना	महाराष्ट्र
3.	12.04.05	प्रो. देवेन्द्र सिंह व अन्य	संपूर्ण क्रान्ति मंच, रेवाड़ी	हरियाणा
4.	06.04.05	सुश्री परवीन सिंह	ग्लोबल आइडिस, गोमतीनगर, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
5.	06.05.05	डा. वी.पी. सिंह और साथी छात्र	भीमराव अम्बेडकर कॉलेज	नई दिल्ली
6.	15.05.05	श्री चन्द्रशेखर	मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई	तमिलनाडु

7. 15.05.06	श्री सुजेश यू	मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई	तमिलनाडु
8. 21.5.05	युवा अधिकारी समूह	इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड मैनपावर एण्ड रिसर्च वाई.पी. कपार्ट	नई दिल्ली
9. 10.5.05	विवेकानन्द	आई.आई.टी. मुम्बई	महाराष्ट्र
10. 10.5.05	वैजयन्ती ममटोरा	निर्मला कॉलेज ऑफ सोसल वर्क्स	महाराष्ट्र
11. 10.6.05	नतासा ब्राह्मी	कुर्ला, मुम्बई	महाराष्ट्र
12. 19.6.05	देबजन	सेंटर ऑफ सिविल सोसाइटी,	नई दिल्ली
13. 9.6.05	चेत्रजी	होजखास	नई दिल्ली
14. 9.6.05	संजयकुमार	–	–
15. 9.6.05	नितेश	–	–
16. 10.6.05	सुश्री अबन बना	मुम्बई	महाराष्ट्र
17. 10.6.05	श्री भरत मानसता	आनन्द कमल सोसाइटी, मुम्बई	महाराष्ट्र
18. 9.6.05	एम.के. मेहता	जल भागीरथी फाउण्डेशन बनीपार्क, जयपुर	राजस्थान
19. 1.6.05	संस्था प्रतिनिधि	परमार्थ समाज सेवी संस्थान ओ.आर.ए.आई., जालौन	उत्तर प्रदेश
20. 8.7.05	श्री सुरेश रैकवार	कृषि एवं पर्यावरण विकास संस्थान, बांदा	उत्तर प्रदेश
21. 19.7.05	श्री रितेश कुमार	उत्थान ट्रस्ट, सविता नगर, गजुला	गुजरात
22. 10.7.05	श्री सुरेश गुप्ता	जागरण, मुम्बई	महाराष्ट्र
23. 2.8.05	श्री समिता मिश्रा पाण्डा	आई.आर.एम.ए., आणन्द	गुजरात
24. 23.8.05	श्री ओम देसाई	बैफ	
25. 29.8.05	कार्यकर्ता समूह	जल भागीरथी फाउण्डेशन, जोधपुर	राजस्थान
26. 8.9.05	श्री अमित कुमार	आई.आई.आर.एम., जयपुर	राजस्थान
27. 9.9.05	आर.वी. जयपदमा जोहंसन	ग्राम विकास संस्था,	उड़ीसा
28. 22.9.05	मनीश राजंकर	गांव बंदानी संस्था	महाराष्ट्र
29. 21.10.05	श्री विजुअल	ई.एन.	आन्ध्रप्रदेश
30. 21.10.05	एन. पोलोपक	सहायक परियोजना निदेशक	आन्ध्रप्रदेश
31. 21.10.06	श्री चालापाल्टो	सहायक परि. निदेशक कार्यालय, अनन्तपुर	आन्ध्रप्रदेश
32. 21.10.08	प्रो. सामोल	सहायक परि. निदेशक कार्यालय, अनन्तपुर	आन्ध्रप्रदेश
33. 16-23.10.05	कोस्तुभ सी देवले	ग्रीन अर्थ, पूना	महाराष्ट्र
34. 20.10.05	किशना राम इसहरूल	जयपुर	राजस्थान

35. 21.10.05	सतीश तिवाड़ी	बीमा सहायक, अलवर	राजस्थान
36. 23-25.10.05	विनोद के जोन	–	दिल्ली
37. 25.10.05	–	पर्यावरण शिक्षा केन्द्र	गुजरात
38. 9.11.05	श्री निशा कामाके	फिल्म निर्माता, नागपुर	महाराष्ट्र
39. 16.11.05	विभाग प्रचारक	राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, कोंकण प्रान्त	महाराष्ट्र
40. 18.11.05	नए युवा अधिकारी	कपार्ट एन जैड सी., जयपुर	राजस्थान
41. 7.11.05	सामाजिक कार्यकर्ता	–	आसाम
42. 19.11.05	वासिया आर.जे.	नेचुरल रिसोर्स मैनेजर मालिया	
43. 19.11.05	नित्येन्द्र मानव	सामाजिक क्षेत्र, जयपुर	राजस्थान
44. 21.11.05	प्रशान्त बी.	–	केरल
45. 20.11.05	सुधेश एम.वी.	सहायक प्राचार्य	केरल
46. 22.11.05	दि. मा. मोरे	महाराष्ट्र अभियान्त्रिकी संयोधन संस्था	महाराष्ट्र
47. 1.12.05	के.एस. प्रसाद	वाटर सैड टीम	आन्ध्र प्रदेश
48. 28.11.05	समाज कार्य स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थी	टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान	तमिलनाडु
49. 28.11.05	विद्यार्थी - सी.सी.ए.	टी.आई.एस.एस., मुम्बई	महाराष्ट्र
50. 14.12.05	कृष्ण रावल एवं साथी	(प्रोफेसर, व्यापारी, अध्यापक, विद्यार्थी) इन्दौर	मध्य प्रदेश
51. 14.12.05	राजेन्द्रसिंह विट	हिमालयी ग्राम विकास समिति,पिथौरागढ़	उत्तरांचल
52. 17.12.05	दीपक गुप्ता	बीमा क्षेत्र, अलवर	राजस्थान
53. 16.12.05	एस.एस. जामवाल	जम्मू-कश्मीर वाटर सैड	जम्मू कश्मीर
54. 18.12.05	शरद कुमार शर्मा	व्यापारी, मेरठ	उत्तर प्रदेश
55. 23.12.05	श्यामकृष्ण गुप्ता	अध्यक्ष, एन्वारोटेक	नई दिल्ली
56. 24.12.05	आई.एस. डागा, वकील	उपाध्यक्ष, एस.आर.एफ. अलवर	राजस्थान
57. 24.12.05	जगदीश ठाकुर	हिमालयी ग्राम विकास समिति गंगोलीहाट, पिथौरागढ़	उत्तरांचल
58. 26.12.05	जोगिन्दर सिंह टोर	उच्च न्यायालय	
59. 2.1.06	श्री कुंज बिहारी	साने गुरुजी श्रम सेवा केन्द्र अन्नपूर्णा पार्क विकास कॉलोनी, जलगांव	महाराष्ट्र
60. 2.1.06	मधुकर सपकले	क्षेत्र युवा संघर्ष वाहिनी, भुसावल	महाराष्ट्र
61. 2.1.06	सुधाकर बड़गुर्जर	क्षेत्र युवा संघर्ष वाहिनी, भुसावल	महाराष्ट्र

62. 3.1.06	कु. कीर्ति अग्रवाल	गर्ल सेन्टर नेशनल कॉलेज, जयपुर	राजस्थान
63. 10.1.06	श्री रामलाल सिंह	जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी	नई दिल्ली
64. 16.01.06	डा. आर.एच. सिद्दीकी	अलीगढ़ यूनिवर्सिटी, अलीगढ़	उत्तर प्रदेश
65. 16.01.06	सुश्री प्रज्ञा श्रीवास्तव	इन्वायरोटेक इन्स्ट्रुमेंट प्रा. लि.	नई दिल्ली
66. 21.01.06	श्री स्वामी दयाविश्वानन्द	श्री वरदान - रायगढ़	महाराष्ट्र
67. 21.01.06	विजयानन्द शनभग	रामविजय ट्रेवल्स	
68. 21.01.06	सलाउद्दीन सैफी	सेन्टर फॉर साइंस एण्ड इन्वायरमेंट	नई दिल्ली
69. 21.01.06	आदित्य बटेरा	सेन्टर फॉर साइंस एण्ड इन्वायरमेंट	नई दिल्ली
70. 21.01.06	सुपर्णो बैनर्जी	सेन्टर फॉर साइंस एण्ड इन्वायरमेंट	नई दिल्ली
71. 19.03.06	बंशीधर शर्मा	हस्तोदय, चौमूं, जयपुर	राजस्थान
	पंचम भाई	हस्तोदय, चौमूं, जयपुर	
72. 14.03.06	फिलिप डेविट	113 गोल्फ लिंक (जी.एफ.)	नई दिल्ली
73. 16.03.06	के. शुक्ला		नई दिल्ली
74. 16.03.06	मियूकी इगुची	स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्ट	नई दिल्ली
75. 24.03.06	रजत खौर	साउथ सोलेन्ट यूनिवर्सिटी	
76. 24.03.06	श्री राम मेहर सिंह	श्री रामकृष्ण जयदयाल डालमिया, झुंझुनूं	राजस्थान
77. 24.03.06	सुदर्शन एंगर	गुजरात यूनिवर्सिटी, आश्रम रोड	गुजरात
78. 24.03.06	राजेन्द्र खिमानी	अहमदाबाद	
79. 24.03.06	हंसमुख पटेल	सर्वोदय आश्रम, अमीरगढ़	गुजरात

सरकारी संस्थान से आए अधिकारीगण

क्र.सं.	दिनांक	नाम	स्थान राज्य/देश
1. 11.4.05	डा. एस. कुमार साइन्टिस्ट	डेजर्टरीजनल स्टेशन जूलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, जोधपुर	राजस्थान
2. 24.04.05	जिला पंचायत अध्यक्ष	गगड़, उपाध्यक्ष, सदस्य	
3. 3.07.05	डा. पी.के. शर्मा	आइ.ए.आर.आई.	नई दिल्ली
4. 4.7.05	श्री के.के. नाथन	मुख्य वैज्ञानिक, आई.ए.आर.आई.	नई दिल्ली
5. 4.7.05	श्री परेश श्रेष्ठ	आई.ए.आर.आई	नई दिल्ली
6. 8.7.05	श्री रवि कुमार आईएएस(पी.)	अतिरिक्त कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट, सुरपुर	
7. 8.7.05	श्री शैल शर्मा आईएएस	अतिरिक्त कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट कार्यालय, सुरपुर	
8. 8.7.05	श्रीनिवास शर्मा आईएएस	अतिरिक्त कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट कार्यालय, सुरपुर	

9.	8.7.05	श्री अम्बरीश आईएएस	अतिरिक्त कलेकटर एवं मजिस्ट्रेट कार्यालय, सुरपुर	
10.	8.7.05	योगेन्द्र कल्याण आईएएस	अतिरिक्त कलेक्टर एवं मजिस्ट्रट कार्यालय, सुरपुर	
11.	2.9.05	श्री हरिकेश मीना	पी.डब्ल्यू.डी. राजगढ़	राजस्थान
12.	2.9.05	श्री रामगोपाल मीणा	पी.डब्ल्यू.डी. राजगढ़	राजस्थान
13.	6.9.05	श्री प्रेम सिंह	फोरेस्ट डिपार्टमेंट	
14.	13.11.05	श्री वाई.वी.सुरयाना रायाना	जिला परिषद, अध्यक्ष	आन्ध्रप्रदेश
15.	13.11.05	चि नारायण माटे	उपाध्यक्ष	आन्ध्र प्रदेश
16.	13.11.05	श्रीमती वाई लक्ष्मी	जिला परिषद	आन्ध्र प्रदेश
17.	13.11.05	डा. नुकाययारेड्डी	जैड पी.टी.सी.	आन्ध्रप्रदेश
18.	30.12.05	नरेन्द्रपाल ठाकुर एवं साथी अधिकारी	प्रोग्राम मैनेजर, सी.ओ.आर.डी., कांगड़ा	हिमाचल प्रदेश

व्यक्तिगत स्तर से भ्रमण :

क्र.सं.	दिनांक	नाम		स्थान राज्य/देश
1.	2.4.05	ललन बनर्जी	नई दिल्ली	नई दिल्ली
2.	4.4.05	अविनाश पाधारी पांडे		महाराष्ट्र
3.	8.4.05	आशा शाह	सी.आई.एस.ई.डी. बैंगलोर	कर्नाटक
4.	8.4.05	प्रवीन शाह	सी.आई.एस.ई.डी. बैंगलोर	कर्नाटक
5.	24.4.05	जयप्रकाश चौहान	रेवाड़ी	हरियाणा
6.	29.4.05	संजय बरनेला		नई दिल्ली
7.	5.5.05	भारती कुमारी	अलवर	राजस्थान
8.	5.5.05	इयूबल कुमार जावा	अलवर	राजस्थान
9.	22.5.05	पूनम केनवाल	नई दिल्ली	नई दिल्ली
10.	28.5.05	अस्मिता ज्योति	चैन्नई	तमिलनाडु
11.	28.5.05	रामचन्द्र श्रीमाली नथवाना	–	–
12.	28.5.05	एस.वी.भावे	नई दिल्ली	नई दिल्ली
13.	28.5.05	प्रमोद श्रीमाल	राजसमंद	राजस्थान
14.	11.6.05	वी.डी. शर्मा	बापू नगर, जयपुर	राजस्थान
15.	18.6.05	विवेक उमराव	दिल्ली	दिल्ली
16.	27.6.05	सुरुचि, छात्र	टाटा धान अकादमी, मदुरई	तमिलनाडु
		प्रकाश, छात्र	टाटा धान अकादमी, मदुरई	,, ,,
17.	29.6.05	विधि सक्सेना	नोएडा	उत्तर प्रदेश
18.	1.7.05	अनुपम मिश्र	नई दिल्ली	नई दिल्ली

19. 2.7.05	यदुवेन्द्र कुमार भट्ट	जयपुर	राजस्थान
20. 8.7.05	अचल सिंह	जैसलमेर	राजस्थान
21. 8.8.05	माधोसिंह राठौड़	जोधपुर	राजस्थान
22. 9.7.05	अंशुमान ढढ्ढा	जयपुर	राजस्थान
23. 9.8.05	सीताराम शर्मा	रेवाड़ी	हरियाणा
24. 9.9.05	राकेश तिवारी	रेवाड़ी	हरियाणा
25. 18.7.05	दिव्या राना	नई दिल्ली	नई दिल्ली
26. 28.7.05	डा. ज्योत्सना	नई दिल्ली	नई दिल्ली
27. 23.08.05	प्रमोद पी नेमडे	वर्धा	महाराष्ट्र
28. 24.8.05	विक्रांत शर्मा	–	उ.प्र.
29. 3.10.05	डा. अभय बंग	एस.ई.ए.आर.सी.एच.ए. गडचीरोली	महाराष्ट्र
30. 29-31.11.05	श्रीनिवास रॉय	–	इंग्लैण्ड

विदेशी मेहमानों व छात्रों का भ्रमण :

क्र.सं.	दिनांक	नाम	स्थान राज्य/देश
1. 7.7.05	अश्विनी गोयल	एस.ई.टी.ई.एम.ई.जी.	स्पेन
2. 7.7.05	इवा सेन्टोस	एस.ई.टी.ई.एम.ई.जी.	स्पेन
3. 7.7.05	मारिया लोपेज	एस.ई.टी.ई.एम.ई.जी.	स्पेन
4. 7.7.05	माण्टेसेराज फेररे	एस.ई.टी.ई.एम.ई.जी.	स्पेन
5. 7.7.05	विलेण्ड पारदो पीटर	एस.ई.टी.ई.एम.ई.जी.	स्पेन
6. 7.7.05	सुसान सन्टोस	एस.ई.टी.ई.एम.ई.जी.	स्पेन
7. 7.7.05	याराबेल ब्रुल्लोलस	एस.ई.टी.ई.एम.ई.जी.	स्पेन
8. 7.7.05	विरेन्द्र चौधरी	एस.ई.टी.ई.एम.ई.जी.	स्पेन
9. 9.7.05	इयूजेनी टीसोट	लियोन	फ्रांस
10. 9.7.05	जोहाने बोसी	लियोन	फ्रांस
11. 19.07.05	जेफरी म्यूल	कनाडा	कनाडा
12. 19.07.05	मिशेल प्रीस्टाजेकी	कनाडा	कनाडा
13. 19.7.05	विल जोनसन	कनाडा	कनाडा
14. 19.07.05	किरण बक्शी	कनाडा	कनाडा
15. 19.07.05	रोस कोलेमन	कनाडा	कनाडा

16. 19.07.05	लिने कोलेमन	कनाडा	कनाडा
17. 19.07.05	काटू किंग	कनाडा	कनाडा
18. 19.07.05	केरी बेकर	कनाडा	कनाडा
19. 19.07.05	आन्द्रेया बिट्टे	कनाडा	कनाडा
20. 19.07.05	डेनियल केरींगटन	कनाडा	कनाडा
21. 19.07.05	फरोर सचडिना	कनाडा	कनाडा
22. 19.07.05	जाजी वागोची	कनाडा	कनाडा
23. 10.8.05	सेटेयी	वार्सेलोना	स्पेन
24. 10.8.05	ओरियाक	वार्सेलोना	स्पेन
25. 10.8.05	बिन्डर	वार्सेलोना	स्पेन
26. 10.8.05	राजू	वार्सेलोना	स्पेन
27. 10.8.05	ग्लोरिया	वार्सेलोना	स्पेन
28. 10.8.05	इस्वाएल	वार्सेलोना	स्पेन
29. 10.8.05	जान	वार्सेलोना	स्पेन
30. 10.8.05	वारगा	वार्सेलोना	स्पेन
31. 10.8.05	बेरथा	वार्सेलोना	स्पेन
32. 10.8.05	डुनिया	वार्सेलोना	स्पेन
33. 10.8.05	क्वरेल	वार्सेलोना	स्पेन
34. 10.8.05	सिल्विया	वार्सेलोना	स्पेन
35. 10.8.05	सरजी	वार्सेलोना	स्पेन
36. 10.8.05	वर्जीनिया	वार्सेलोना	स्पेन
37. 10.8.05	लुरडेस	वार्सेलोना	स्पेन
38. 10.8.05	एइडा	वार्सेलोना	स्पेन
39. 4.10.05	खलील उर रहमान	नेशनल फील्ड मैनेजर, फ्रांस स्पेसियल प्रोग्राम फॉर फूड	अफगानिस्तान
40. 4.10.05	नजीबुल्लाह - इजी.	,,	,,
41. 4.10.05	रामीन माहरी अ.	,,	,,
42. 4.10.05	अबुल वहीद राहमी	,,	,,
43. 4.10.05	अहमद शाह	,,	,,

44. 4.10.05	मीर वाइज़ माजी	”	”
45. 4.10.05	मो. यूनिस मार्ग एरिगोन इजी.	”	”
46. 4.10.05	अब्दुल हक़ ज़ीम सीनियर एरीगेशन इजी.	”	”
47. 4.10.05	एलेक्स केरफकेटर		यू.एस.ए.
48. 18.11.05	प्रांत प्रतिनिधि	डब्ल्यू.डी.ए.एन.एस.	केन्या

दस्तावेजीकरण

दस्तावेजीकरण : इस वर्ष संस्था में परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के जल पैरवी के लिए निम्न दस्तावेज तैयार किए गए :

1. जल गीत - लेखक - श्री गोपी, आन्ध्रप्रदेश
2. छोटी दरबी और नर्बदा - लेखिका - नीलम गुप्ता, दिल्ली
3. जल सत्याग्रह जरूरी - लेखक - सुरेन्द्र बंसल, पंजाब
4. तरुण भारत संघ - प्रगति प्रतिवेदन
5. निर्माण संस्थान - प्रगति प्रतिवेदन (2000-2001 से 2004-2005 तक)
6. पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन
7. तरुण जल विद्यापीठ के हिन्दी-इंग्लिश फोल्डर
8. भू-जल अधिनियम– जन सुनवाई के लिए पर्चे
9. जल बिरादरी परिचय - अंग्रेजी में
10. भीकमपुरा जल घोषणा पत्र–पोस्टर, पर्चे के रूप में
11. वर्ष 2006 का कलेण्डर जल स्वराज से ग्राम स्वराज तक।
12. 5वां जल बिरादरी सम्मेलन सार-संक्षेप

पुस्तक की तैयारी : संबंधित विषय

1. तरुण भारत संघ के तीन दशक
2. क्यों नहीं नदी जोड़ ?
3. अरवरी संसद
4. जलमणिका
5. पानी परम्परा
6. भारतीय जल दर्शन
7. जल संस्कृति

प्रचार-प्रसार

टी.वी. चैनल

अप्रैल, 2005 से मार्च, 2006 तक के समय अन्तराल में विभिन्न चैनलों से तरुण भारत संघ के जल संरक्षण कार्यों के विषय में कार्यक्रम प्रसारित हुए। तभासं के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह को माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने संसद में 1 दिसम्बर को जल संरक्षण के कार्यों पर प्रस्तुतीकरण के लिए चुना। उस कार्यवाही को ई.टी.वी. के सभी चैनलों पर दिखाया गया। दूरदर्शन के नए सीरियल 'संवाद' की शुरुआत राजेन्द्र सिंह के साथ जल समस्या और समाधान वार्ता से हुई। समाचारों से पहले आने वाले एड में भी राजेन्द्र सिंह को जल संरक्षण के लिए दिखाया गया है। अन्य देश-विदेश के लोगों ने अपने लिए जल-समस्या और समाधान पर सीरियल बनाए हैं।

समाचार पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से देश के दक्षिणी, उत्तरी और पश्चिमी राज्यों में सतत वार्ताएं, लेखों के माध्यम से जल संरक्षण, जल की बढ़ती समस्या, जल का निजीकरण, नदी-जोड़ परियोजनाओं के दूरगामी परिणामों पर विचार व्यक्त किए हैं। जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है।

मुख्य घटना क्रम :

अप्रेल

- अप्रैल, जल विद्यापीठ की मीटिंग

मई

- 14-15 मई, तरुण जल विद्यापीठ अकादमी कोंसिल मीटिंग
- मई में अरवरी संसद का चौदहवां अधिवेशन

जून

- 10-14 जून तक तरुण जल विद्यापीठ के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
- जून में तकनीकी कमेटी, भारत सरकार द्वारा जल संरक्षण कार्यों का अवलोकन

जुलाई

- 4-6 जुलाई, तरुण जल विद्यापीठ के लिए छात्रों का सलेक्शन
- 10 जुलाई को सरिस्का वन्य जीव अभयारण्य में बाघ के विलुप्त होने के कारण प्रधानमंत्री की ओर से गठित टॉस्क फोर्स कमेटी की अध्यक्षा सुश्री सुनीता नारायण जी ने सरिस्का की जानकारी के लिए राजेन्द्र सिंह के साथ बात की तथा सरिस्का के लोगों से भी लम्बी बातचीत की।

जुलाई

- यूरोपियन कमीशन व राजस्थान सरकार के साथ जल संरक्षण परियोजना पर चर्चा हुई।
- 20 जुलाई को तरुण जल विद्यापीठ की शुरुआत।
- जुलाई में वाल्मीकि थापर के साथ सरिस्का में पुन: बाघ की वापसी पर बातचीत हुई, जिसमें सरकारी अधिकारी भी थे।

अगस्त

- 4-7 अगस्त, भारत सरकार के आमंत्रण पर ब्राजील की यात्रा, जिसमें भारत के परम्परागत प्राकृतिक संसाधनों के द्वारा जल संरक्षण, तीन देशों के सम्मेलन में प्रतिनिधित्व किया। वहां तभासं के कार्यों का उल्लेख किया गया।
- 8 अगस्त, जल बिरादरी का रजिस्ट्रेशन, 20 क्लेयर व विवेक द्वारा तरुण विद्यापीठ के छात्रों का प्रशिक्षण ।
- 20 से 30 अगस्त तक विश्व जल सम्मेलन, स्टॉकहोम में भाग लिया।

- तरुण भारत संघ की विश्व स्तर पर प्रस्तुति। इस सम्मेलन में सी.एस.सी. की निदेशक सुश्री सुनीता नारायण को 'वाटर प्राइज' से सम्मानित किया गया।

सितम्बर

- श्री सुन्दरलाल बहुगुणा व श्रीमती बहुगुणा द्वारा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण।

अक्टूबर

- 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर तीन ग्राम सभाओं व तीन महिलाओं को सम्मानित किया।
- 3 अक्टूबर को तरुण भारत संघ की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई जिसमें वर्ष 2004-05 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। तभासं के कार्यों की समीक्षा और कार्यकारिणी से संबंधित विचार-विमर्श हुआ।
- 4 अक्टूबर को अनुपम मिश्र के साथ इराक से आए सरकारी अधिकारियों को जल संरक्षण के कार्य दिखाए गए।
- 5 अक्टूबर को 'जमनालाल बजाज पुरस्कार' के लिए तभासं अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह के नाम की घोषणा हुई।
- 16 अक्टूबर को 'छोटी दरबी और नर्मदा' को भोपाल में मध्य प्रदेश के राज्यपाल के द्वारा 'ओजस्विनी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

नवम्बर

- 4 नवम्बर को मुम्बई में तभासं अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह को 'जमनालाल बजाज पुरस्कार' मिला।
- 9-10 नवम्बर, राष्ट्रीय जल बिरादरी की कार्यकारिणी की बैठक तरुण भारत संघ, भीकमपुरा में हुई।
- 10 नवम्बर को श्री व्यास जी पूर्व निदेशक, विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर द्वारा जल संरक्षण के कार्यों का निरीक्षण किया गया।
- 11-12 नवम्बर, जल बिरादरी का पांचवां जल सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 17-30 नवम्बर से राजस्थान-हरियाणा के 15 जिलों में जल साक्षरता अभियान चलाया गया। जिसमें 22 टोलियों के माध्यम से 500 स्कूल, कॉलेजों में 1.5 लाख से अधिक छात्रों व लोगों के बीच जल चेतना का संदेश पहुंचाया।

दिसम्बर

- 1 दिसम्बर को संसद में स्थित पुस्तकालय के सभागार में माननीय लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी की उपस्थिति में राजेन्द्र सिंह ने देश की जल समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त किए।
- 10 दिसम्बर को कालाडेरा कोका कोला प्लांट पर धरना, गिरफ्तारी दी गई।
- 12 दिसम्बर को ग्राम तिलोनियां में अनुपम मिश्र व राजेन्द्र सिंह द्वारा जल अभिषेक कार्यक्रम में भाग लिया गया।
- 19 दिसम्बर को जल जमात पद यात्रा, मेवात क्षेत्र घासेड़ा जिला-नूंह से हसनपुरा तिजारा अलवर (हरियाणा-राजस्थान) के 45 गांवों में जल संरक्षण संदेश दिया।
- 25-26 दिसम्बर को ग्राम सांवत्सर में अरवरी संसद का पन्द्रहवां सम्मेलन हुआ, जिसमें 320 ग्रामसभा सदस्य और देश के अन्य भागों से आए मेहमान उपस्थित हुए।
- दिसम्बर में जल स्वराज व ग्राम स्वराज नाम से वर्ष 2006 को 'जल साक्षरता वर्ष' घोषित करने की तैयारी।

जनवरी-2006

- 1 जनवरी को नया वर्ष **'जल साक्षरता वर्ष'** तरुण भारत संघ द्वारा घोषित किया गया। 'जल स्वराज से ग्राम स्वराज' कलेण्डर के साथ जनता में संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया।

फरवरी

- 15 फरवरी से जल साक्षरता एवं पर्यावरण शिविर शृंखला शुरू की, जो 55 स्कूलों में गई। यह यात्रा 9 मार्च तक चली।
- 17 फरवरी से दो माह का छोटा कोर्स तरुण जल विद्यापीठ में शुरू हुआ, जिसमें 10 छात्र लिए गए।

मार्च

- 3-4 मार्च सीडा, स्वीडन से वेट ऐखोमस, (संसद सदस्य स्वीडन सरकार) तथा स्वीडन दूतावास, दिल्ली की सुश्री चारलोटा एरिक्स (सह निदेशक) यास्मिन (प्रोग्राम ऑफिसर) और श्री अली आदि ने तभासं द्वारा कराए जा रहे जल संरक्षण के कार्यों को देखा और ग्रामीणों के साथ बातचीत की गई।
- 9 मार्च को श्री सिद्धराज ढढ्ढा जी के स्वर्गवास से तभासं परिवार को भारी क्षति हुई। अन्तिम यात्रा में तभासं के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सभी कार्यकर्ता शामिल हुए।
- 10 मार्च को तरुण भारत संघ भीकमपुरा में स्वर्गीय श्री सिद्धराज जी के लिए शोक सभा की गई जिसमें क्षेत्रीय जनता, अलवर से श्री शान्ति स्वरूप डाटा, पेमाराम वकील, महाराष्ट्र से आए गांधीवादी जन तथा तभासं के कार्यकर्ता सभी उपस्थित थे। सभी ने शोक सभा में अपने-अपने विचार रखे।
- 11-12 मार्च को अन्ना मिलन सम्मेलन देश के गांधीवादियों का 11 मार्च को 9 बजे से प्रारंभ हुआ। सम्मेलन में सभी ने अपने-अपने क्षेत्र से सम्बन्धित जानकारी दी। तभासं द्वारा किए जा रहे ग्राम स्वराज की दिशा में प्रयासों को समझना, ग्रामवासियों से चर्चा करना और सहभागिता से किए गए कार्य को प्रत्यक्ष देखना मुख्य उद्देश्य था। 11-12 मार्च दो दिन में तभासं का कार्यक्षेत्र देखा। चर्चाएं हुईं। सभी के लिए अच्छा अनुभव रहा।
- 24 मार्च, राष्ट्रीय जल पंचायत तभासं भीकमपुरा में आयोजित की गई, जिसमें 8 प्रान्तों के 50 सदस्यों ने भाग लिया। देश की जल समस्याओं पर मंथन हुआ।
- 31 मार्च, नई दिल्ली में वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम ने राजेन्द्र सिंह को ''लक्ष्मीपति सिंधानिया नेशनल लीडरशीप बिजनेस अवार्ड'' से सम्मानित किया।

रचनात्मक कार्यक्रम

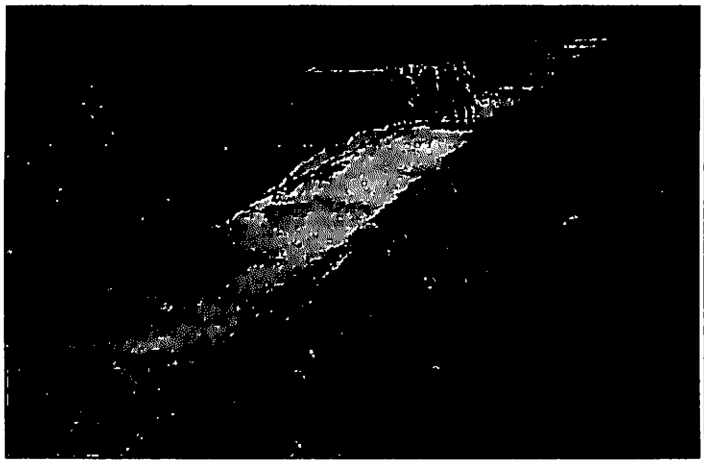

ग्राम नागलदासा का चौखण्डी वाला एनीकट का कार्य पूरा होने का चित्र।

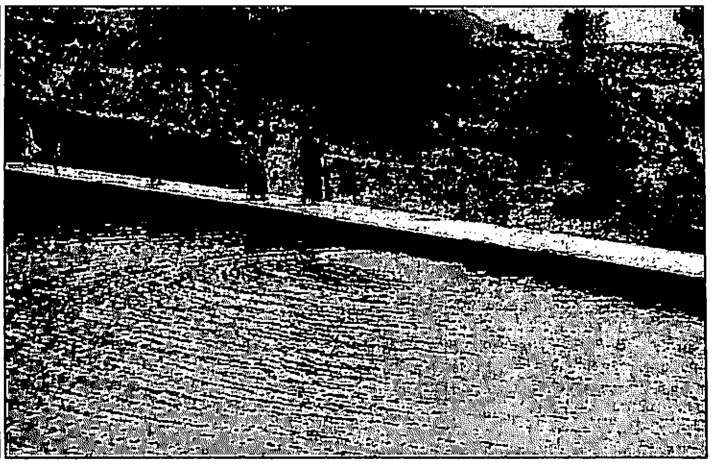

ग्राम नागलदासा का चौखण्डी वाला एनीकट में जमा जल राशि।

सीडा, फोर्ड फाउण्डेशन, सोनिया फाउण्डेशन परियोजना के अन्तर्गत किए गए जल संरक्षण के रचनात्मक कार्यों की जानकारी 1.4.06 से 31.3.06 तक

क्र.	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	कार्य की स्थिति	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कुल योग
1.	बजनीभाट का एनी.	रामपुर चौहान	बानसूर	अलवर	पूर्ण	2,08,787	62,600	2,71,387
2.	ज्वार वाला बांध	सेवा का गुवाड़ा	थानागाजी	"-"	अपूर्ण	1,80,692	28,167	2,08,859
3.	लंकाश का एनीकट	लंकाश	राजगढ़	"	पूर्ण	1,25,760	68,760	1,94,476
4.	पलेई का जोहड़	ब्राह. लोसल	"	"	"	27,965	13,983	41,948
5.	बसोलवाला एनीकट	अलई राजगढ़	"	"	"	71,125	8,444	79,569
6.	पीलाखेत का एनीकट	डूमोली	थानागाजी	"	अपूर्ण	2,20,323	24,300	2,44,623
7.	सुन्दर जोहड़	पीपलाई	"	"	पूर्ण	8,161	4,080	12,241
8.	आबूड़ीभाट जोहड़	कालैडतेल्या	"	"	"	53,175	16,859	70,034
9.	जब्बर सागर	हमीरपुर	"	"	मरम्मत	6,620	2,500	9,120
10.	पनीपापड़ावाला बांध	लालपुरा	"	"	अपूर्ण	1,06,312	26,528	1,32,840
11.	हजारी वाला बांध	सूरतगढ़	"	"	मरम्मत	12,096	4,977	17,073
12.	फरसावाला जोहड़	रहमत नगर	"	"	पूर्ण	6,196	2,303	8,499
13	पुरक्यावाली जोहड़ी	टोडी लुहारान	"	"	पूर्ण	75,658	36,578	1,12,236
14.	चौखड़ीवाला एनीकट	नागलदासा	राजगढ़	"	चालू है	6,56,805	2,45,720	9,02,525
15.	भौमिया का बांध	कूण्डला	"	"	पूर्ण	16,680	8,340	25,020
16.	बीड़ वाला बांध	"	"	"	अपूर्ण	41,267	19,829	61,096
17.	केशरवाला एनीकट	"	"	"	पूर्ण	15,960	17,900	33,860
18.	स्कूलवाला जोहड़	राड़ा	"	"	मरम्मत	59,832	16,031	65,863
19.	शहीदवाली जोहड़ी	सिविल मंदिर	डीग	भरतपुर	पूर्ण	10,925	3,602	14,527
20.	नला का एनीकट	तरुण आश्रम	थानागाजी	अलवर	अपूर्ण	72,618	-	72,618
21.	तरुण ताल	"	"	"	"	50,405	-	50,405
22.	पारा वाला बांध	सांवत्सर	"	"	"	4,76,150	23,587	4,99,737
23.	मटिया वाला बांध	कालाखेत	राजगढ़	"	"	8,687	4,344	13,031
24.	भैरूंबाबा का जोहड़	राड़ा	"	"	"	24,063	8,757	32,820
25.	गऊशाला वाला बांध	सेवल मंदिर	डीग	भरतपुर	पूर्ण	1,01,546	23,883	1,25,429
26.	कालीपाल का जोहड़	सांवत्सर	थानागाजी	अलवर	अपूर्ण	32,580	5,000	37,580
27.	मेव वाला बांध	अल्हापुर	तिजारा	"	पूर्ण	14,395	15,300	29,695
28.	उणा वाला जोहड़	नयला	राजगढ़	"	"	37,716	18,859	56,575
29.	बख्ताली बांध	राड़ा	"	"	"	6,250	6,250	12,500
30.	पापड़ी वाला बांध	भूराल	थानागाजी	"	"	90,692	32,189	1,22,881
31.	कंकरोट वाला जोहड़	अबनपुर	तिजारा	"	"	37,887	18,944	56,831
32.	लक्ष्मा की मेड़बन्दी	हमीरपुर	थानागाजी	"	"	3,273	6,546	9,819

33. कोटा वाला बांध कारौली	तिजारा	,,	,,	8,800	-	8,800	
34. भाण्ड्याली एनीकट	ब्रा. लोसल	राजगढ़	,,	,,	74,870	32,075	1,06,945
35. पौकुंआ का एनीकट	डूमोली	थानागाजी	,,	,,	50,356	-	50,356
36. बैठक वाला बांध	ब्रा. लोसल	राजगढ़	,,	,,	28,572	19,048	47,620
37. बैणी वाला जोहड़	हमीरपुर	थानागाजी	,,	,,	1,14,348	37,769	1,52,117
38. समसानवाला लोहड़	देवका देवरा	,,	,,	,,	63,265	14,995	78,260
39. कुरातली का जोहड़	घेवर	राजगढ़	,,	पूर्ण	15,089	6,313	21,402
40. मेढ़बन्दी	जटमालियर	तिजारा	,,	पूर्ण	60,487	-	60,487
41. जल की वाला एनीकट	लोठवास	थानागाजी	,,	पूर्ण	81,324	14,175	95,882
42. कुण्या की राड़ी जोहड़	रायपुराभाल	,,	,,	अपूर्ण	14,650	5,232	19,882
43. मान्या वाली जोहड़	राडा	राजगढ़	,,	,,	20,756	8,514	29,270
44. सरुड़ावाला जोहड़	सरुड़ा	थानागाजी	,,	,,	6,380	14,245	20,625
45. डांगर का जोहड़	दुहारमाला	,,	,,	,,	21,173	10,586	31,759
46. पन्नावाला जोहड़	जटमालियर	तिजारा	,,	पूर्ण	36,727	31,960	68,687
47. भौमियों बाबा का बांध	माण्डलवास	राजगढ़	,,	मरम्मत	1,06,523	53,262	1,59,785
48. बबड़ी वाला एनीकट	सांवत्सर	थानागाजी	,,	चालू है	24,300	3,150	27,450
49. लणेड़ा की नाड़ी	सूरजपुरा	दूदू	जयपुर	अपूर्ण	62,361	31,085	93,446
50. कदम वाल बांध	देवरी गुवाड़ा	राजगढ़	अलवर	,,	18,003	14,371	32,341
51. बैणी वाला जोहड़	नगलहेड़ी	थानागाजी	,,	पूर्ण	17,521	7,320	24,841
52. पीदगढ़ का एनीकट	पीनणी	मालपुरा	टोंक	पूर्ण	1,47,331	18,900	1,66,231
53. माड़राला का जोहड़	दुहारमाला	थानागाजी	अलवर	,,	6882	3437	10324
54. खराणा का जोहड़	,,	,,	,,	,,	6876	3437	10313
55. कुंज सागर	कालैड़	,,	,,	मरम्मत	59,290	-	59,290
56. कालाखेत का बांध	देवरी का गु.	राजगढ़	,,	मरम्मत	9,597	-	9,597
57. अर्जुन गुर्जर मेढ़	भरियावास	थानागाजी	,,	पूर्ण	1,088	1,088	2,016
58. हनुमान की मेड़	बाछड़ी	,,	,,	,,	1,088	1,088	2,016
59. पुराना तालाब	रामकृष्णपुरा	पश्चिमी	बंगाल	,,	30,000	15,000	45,000
60. श्रवण सागर	डिग्गी	मालपुरा	टोंक	मरम्मत	6000	श्रमदान	6000
गोचरवाला जोहड़	तिलोनियां	किशनगढ़	अजमेर	पूर्ण			
1. चैकडेम सलदरी	सलदरी	झाड़ौल	उदयपुर	पूर्ण	17,969	पत्थर	17,969
2. ,,	,,	,,	,,	,,	7,680	,,	7,680
3. ,,	,,	,,	,,	,,	4,640	,,	4,240
4. चैकडेम सरादित	सरादित	,,	,,	,,	10,350	,,	9,650
5. ,,	,,	,,	,,	,,	12,530	,,	12,530
6. ,, मुण्ड्याली	मुण्डयाली	,,	,,	,,	1,49,705	,,	1,49,705
7. ,,	,,	,,	,,	,,	32,575	,,	32,575

Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

306, 2nd Floor, Shalimar Complex
Opp. Church, Jaipur-302 001
(P) 0141-2366810

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2006 of M/S TARUN BHARAT SANGH, JAIPUR (Activities from Bheekampura Kishori, Dist. - Alwar) and also the consolidated Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account for the year ended on 31st March, 2006 from the books of accounts, vouchers & other relevant records produced before us for our examination. These financial statements are the responsibility of the Institution's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates & valuation of material made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

We report that :

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;

(ii) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the institutions so far as appears from our examination of those books.

(iii) The Balance Sheet, Income & Expenditure and Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of account.

(iv) In our opinion and to the best of pur information and according to the explanations given to us, the said accounts give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India :

(a) in the case of Balance Sheet, of the state of affairs of the Institution as at 31st March, 2006; and

(b) in the case of the Income & Expenditure Account, of the Surplus of the Institution for the year ended on that date.

FOR **GOYAL ASHOK & ASSOCIATES**
CHARTERED ACCOUNTANTS

(A.K. GOYAL)
PROPRIETOR

JAIPUR
DATE : 11 July, 2006

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON 31.03.2006

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS	AMOUNT
General Fund		27,930,322.52	Fixed Assets	
(As per Annexure "A"			(As per Annexure "B"	25,584,959.32
Endowment Fund (Ford Foundation)			Cash in Hand	
Grant Amount	14,673,000.00		(As per annexure "C")	791,159.00
Interest (2002-03)	325,000.00			
Interest (2003-04)	325,000.00		Cash at Bank	4,262,389.51
Interest (2004-05)	516,200.00	15,839,200.00	(As per annexure "D")	
Unutilised amount to be utilized			Fixed Deposit	
in next year			Endowment Fund	
			(Ford Foundation, USA)	15,839,200.00
SIDA	3,223,582.64			
Ford Foundation	350,097.67		By Advances Given	
			(As per annexure "E")	894,469.00
Current Liabilities				
TDS (AY 2006-07)	28,974.00			
	47,372,176.83			**47,372,176,83**

Notes of accounts as per annexure "F"
As per our report of even date

For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

For Tarun Bharat Sangh

(A.K. Goyal)
Proprietor

General Secretary

Place : Jaipur
Dated : 11 July, 2006

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNTS FOR THE PERIOD 01.04.2005 TO 31.03.2006

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME	AMOUNT
To Physical Work		By Unutilised Grant b/f	16,474,006.31
Earthan Dam / Johad / Anicut	4,616,197.00		
		By Grant Received	
To Administration / Overheads Expense	2,499,328.00	Sweeden Ambessy	10,845,987.00
		Sonia Foundation	108,040.00
To Meeting / Training / Awareness Exp.	5,75,988.00	Health & Happiness Inc. Chikago	15,134.00
To Advocacy for Water	3,850,098.00	By Interest Received on FDR	1,533,942.00
To Lodging & Boarding Expenses	8,17,027.00	By Bank Interest	4,27,909.61
To Travelling Expenses	4,212.00	By Income from Lodging & Boarding	19,04,725.00
To Vehicle Running & Maintenance	31,945.00	By Sale of Books & Cassettes	72,767.00
To Fixed Assets Purchased (As per Annexure "B")	14,092,522.00	By Misc. Income	21,120.00
		By Membership Fees	6.323.00
To Outstanding amount form Creech (CSWB) project now written off	2,63,580.00		
To Unutilised amount to be utilized in next year	40,73,680.31		
To Surplus During the Year	5,85,376.61		
	31,409,953.92		**31,409,953.92**

As per our report of even date

For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

For Tarun Bharat Sangh

(A.K. Goyal)
Proprietor

General Secretary

Place : Jaipur
Dated : 11 July, 2006

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED RECIPTS & PAYMENT ACCOUNTS FOR THE PERIOD 01.04.2005 TO 31.03.2006

RECEIPTS	AMOUNT	PAYMENTS	AMOUNT
To Opening Balance		By Physical Work	
The Bank of Rajasthan Ltd., Jaipur	13,889,417.31	Earthan Dam / Johad / Anicut	4,616,197.00
Alwar Bharatpur Gramin Anchalik			
Bank, Kishori		By Administration / Overheads Expenses	2,499,328.00
A/C No. 674	22,990.00		
A/C No. 2459	1,119.00	By Meeting / Training / Awareness Exp.	575,988.00
PNB, Umarin	148.00		
Fixed Deposit (GBK)	8,63,893.00	By Advocacy for Water	3,850,98.00
SBBJ, Thanagaji	671.67		
Arawali Kshetriya Gramin Bank		By Lodging & Boarding Expenses	817,027.00
Gadmora A/C No. 3123	507.00		
Centurian Bank	5,23,924.92	By Traveling Expenses	4,212.00
Cash in Hand	4,11,949.00		
		By Vehicle Running & Maintenance	31,945.00
To Grant Received		By Fixed Assets Purchased	14,092,522.00
Sweeden Ambessy	10,845,987.00	(As per Annexure "B")	
Sonia Foundation	1,08,040.00		
Health & Happiness Inc. Chikago	15,134.00	By TDS Deposited (AY 2005-06)	57,478.00
To Interest Received on FDR	15,33,942.00		
		By Advance Given	
To Bank Interest	4,27,909.61	Shri Hari Ram Saini	5,420.00
		Shri Buddhalal	9,100.00
To TDS (AY 2006-07)	28,974.00	Ms. Juhi Shah, Jaipur	10,000.00
		Prayavaran Premi Puraskar Trust	44,541.00
To Income from Lodging & Boarding	19,04,725.00	Shri Shailendra Singh	10,000.00
		Shri Basantilal Sharma	5,000.00
To Sale of Books & Cassettes	72,767.00	Shri Kaluram Meena, Radi	15,500.00
		Shri Kanhaiya Lal Gurjar	43,000.00
To Misc. Income	21,120.00	Shri Pramod Kumar Agarwal	20,000.00
To Membership Fees	6,323.00	By Closing Balance	
		The Bank of Rajasthan Ltd., Jaipur	2,698,956.31
To Advances Recovered		Alwar Bharatpur Gramin Anchalik	
Noida Land	10,000.00	Bank, Kishori	
Shri Chaman Singh	1,22,034.00	A/C No. 764	1,02,527.00
Shri Dilip Singh	2,00,000.00	A/C No. 2459	1,119.00
Shri Jagdish Gurjar	2,289.00	PNB, Umarin	148.00
Shri Murarilal Sharma	56,000.00	SBBJ, Thanagaji	671.67
Shri Ramendra Singh	86,954.00	Arawali Kshetriya Gramin Bank	
Shri R.D. Gupta	10,000.00	Gadmora A/C No. 3123	507.00
Shri Satyendra Singh	5,15,000.00	Centurian Bank	91,721.53
M/s Kumar & Co.	70,589.00	FDR (ABGAB)	8,66,739.00
Shri Kaluram Meena, Radi	8,497.00	UTI-Equity Fund	5,00,000.00
		Cash in Hand	7,91,159.00
	31,760,904.51		**31,760,904,51**

As per our report of even date

For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

(A.K. Goyal)
Proprietor

Place : Jaipur
Dated : 11 July, 2006

For Tarun Bharat Sangh

General Secretary

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED

ANNEXURE "A"

GENERAL FUND

Opening Balance	12,752,423.91
Add. : Surplus during the year	1,085,376.61
Assets Purchased During the year	14,092,522.00
	27,930,322.52

ANNEXURE "C"

CASH BALANCE

Head Office	3,71,425.00
Foreign Projects	4,19,734.00
	7,91,159.00

ANNEXURE "D"

CASH AT BANK

The Bank of Rajasthan Ltd., Jaipur	2,698,956.31
Alwar Bharatpur Gramin Anchalik Bank, Kishori	1,02,527.00
A/C No. 764	1,119,.00
A/C No. 2459	
PNB, Umarin	148.00
SBBJ, Thanagaji	671.67
Arawali Kshetriya Gramin Bank, Gadmora A/C No. 3123	507.00
Centurian Bank	91,721.53
FDR (ABGAB), Kishori	
FDR (Alwar Bharatpur Gramin Anchalik Bank, Kishori)	8,66,739.00
UTI-Equity Fund	5,00,000.00
	4,262,389.51

For Tarun Bharat Sangh

General Secretary

Place : Jaipur
Dated : 11 July, 2006

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED

SCHEDULE OF FIXED ASSETS **ANNEXURE "B"**

PARTICULARS	BALANCE AS ON 01.04.2005	ADDITION DURING THE YEAR	SOLD/WRITTEN OF DURING THE YEAR	TOTAL AS ON 31.03.2006
Land & Building	8,245,579.77	12,636.075.00	-	20,881,654.77
Furniture & Fixtures	2,02,698.62	87,266.00	-	2,89,964.62
Surgical & Other Equipments	89,632.68	7,400.00	-	97,032.68
Generator	40,000.00	-	-	40,000.00
Camera	81,395.00	22,620.00	-	1,04,015.00
Motor Cycle	1,56,919.00	1,70,401.00	-	3,27,320.00
Fans	24,055.25	23,100.00	-	47,155.25
Fax Machine	-	7,300.00	-	7,300.00
Jeeps	1,786,625.00	-	-	1,786,625.00
Tractors & Cultivater	2,92,853.00	7,99,684.00	-	1,092,537.00
Computers	3,19,522.00	44,900.00	-	3,64,422.00
Cycle	5,075.00	-	-	5,075.00
DVD Player	-	4,990.00	-	4,990.00
LCD Player	-	74,100.00	-	74,100.00
Mobile Set	22,500.00	9,400.00	-	31,900.00
Room Heater	1,946.00	-	-	1,946.00
Machinery	2,08,591.25	1,55,286.00	-	3,63,877.25
Utensils	4,076.00	-	-	4,076.00
Carpet	9,643.75	-	-	9,643.75
Mixi	1,325.00	-	-	1,325.00
Water Tanker	-	50,000.00	-	50,000.00
TOTAL	**11,492,437.32**	**14,092,522.00**	-	**25,584,959.32**

For Tarun Bharat Sangh

General Secretary

Place : Jaipur
Dated : 11 July, 2006

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED

ADVANCES (AS ON 31.03.2006) **ANNEXURE "E"**

S.NO.	NAME OF PERSONS	AMOUNT
1.	Shri Hari Ram Saini	5,420.00
2.	Shri Buddulal	9,100.00
3.	Ms. Juhi Shah, Jaipur	10,000.00
4.	Shri Shailendra Singh	10,000.00
5.	Shri Jagdish Gurjar	17,711.00
6.	M/s Kumar & Co.	19,624.00
7.	Shri Ramendra Singh	2,10,344.00
8.	Prayavaran Premi Puraskar Trust	44,541.00
9.	Shri Kanhaiya Lal Gurjar	1,43,000.00
10.	Shri Omkar Singh	2,00,000.00
11.	Shri Basanti Lal Sharma	20,500.00
12.	Shri Gyan Chand Gupta	25,000.00
13.	Shri Narendra Singh	95,200.00
14.	Shri Pemaram Meena	13,932.00
15.	Shri Rajesh Ravi	10,000.00
16.	Shri Ramesh Thanvi	10,000.00
17.	Shri Sitaram Singh	14,597.00
18.	Shri Kaluram Meena, Radi	15,500.00
19.	Shri Pramod Kumar Agarwal	20,000.00
		8,94,469.00

For Tarun Bharat Sangh

General Secretary

Place : Jaipur
Dated : 11 July, 2006

TARUN BHARAT SANGH

ANNEXURE "F"

NOTES ON ACCOUNTS FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2006

1. The accounts are being prepared on historical cost basis and as a going concern accounting policies not referred to otherwise are in consistent with the generally accepted accounting principles.

2. The accounts are being prepared on Cash basis.

3. The Head Office of the Institution has incurred and charged certain amounts from various projects under the following heads.

   (a) Lodging & Boarding — Rs. 19,04,725.00

   On the one side, such expenses have been shown as expenses under individual projects and on the other side, the Head Office of the Institution has treated these amounts as its income.

4. No depreciation has been charged on the fixed assets.

5. In some projects, the Institution has incurred expenses as per scheme of the project despite non receipt of grant amount from funding agencies. Accordingly, a sum of Rs. 2,63,580/- relating to Creech Programme have been written off during the year.

For Tarun Bharat Sangh

General Secretary

Place : Jaipur
Dated : 11 July, 2006

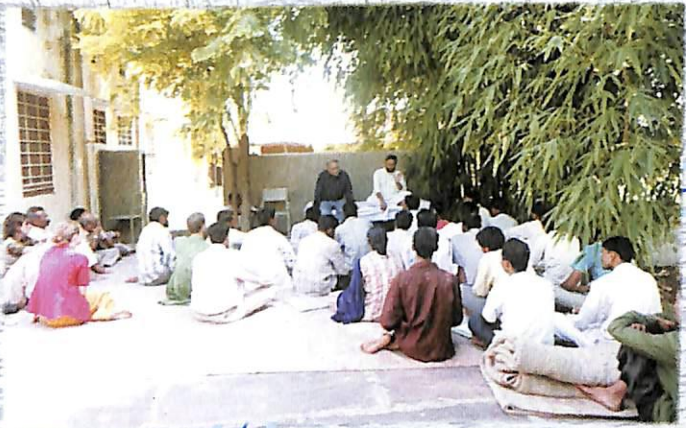

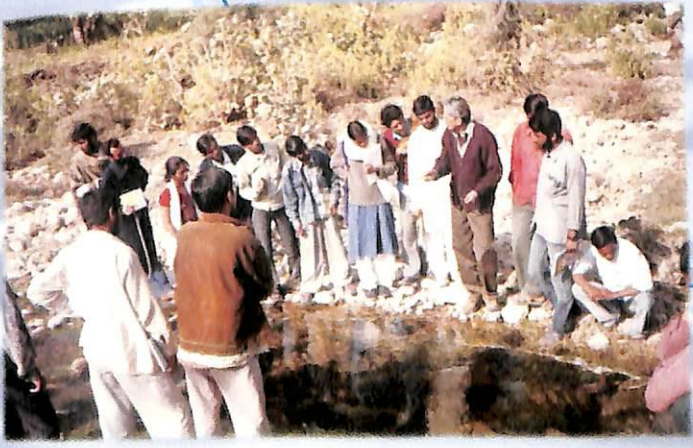

31 मार्च, नई दिल्ली में वित्त मंत्री पी. चिंदम्बरम ने राजेन्द्र सिंह को “ लक्ष्मीपती सिंघानिया नेशनल लीडरशिप बिजनेस अवार्ड” से सम्मानित किया

6-8, अक्टूबर, 2005, नेरौबी, केन्या में बांध और विकास मंच के चौथे अधिवेशन की बैठक में भागीदारों का समूह चित्र